Page-01_Layout 1 3/19/2025 12:46 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-58 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, बुधवार, 19 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

लोकसभा अध्यक्ष ने दिल्ली के विधायकों से विधानसभा... पृष्ठ-2

दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

आने वाले तीन वर्षों में हर जिले में खुलेंगे कैंसर... पृष्ठ-3

संक्षिप्त

अभय वर्मा भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक नियुक्त

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा विधायकों की आज हुई बैठक में लक्ष्मी नगर से विधायक अभय वर्मा को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिती में दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक में आज विधानसभा परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में विधानसभा दल की गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलाने के लिए मुख्य सचेतक की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई और सभी विधायकों ने निर्णय बैठक में उपस्थित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा पर छोड़ दिया।

बुजुर्ग दंपति का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 18 मार्च (हि.स.)। उत्तर पश्चिमी जिले के सुभाष प्लेस इलाके में मंगलवार सुबह बुजुर्ग दंपति का शव मिला। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतकों की पहचान मोहिंदर सिंह (70) और उनकी(68) वर्षीय पत्नी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शव दो दिन पुराना है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली सरकार आयुष्मान भारत योजना को लेकर केंद्र के साथ समझौता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली सरकार जल्द ही आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना को लेकर केन्द्र सरकार से समझौता करेगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दिल्ली के स्वास्थ मंत्री पंकज सिंह ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर बताया कि राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू करने के लिए 10 अप्रैल को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य एक महीने के भीतर एक लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकन करना है।

विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए : मोदी

लोकसभा में 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना

रमाकान्त पाण्डेय

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज में हुए महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था...महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है। हमारा दायित्व है, अनेकता में एकता की इसी विशेषता को हम निरंतर समृद्ध करते रहें।

पीएम मोदी ने कहा कि ये उमंग, उत्साह यहीं तक सीमित नहीं था। बीते सप्ताह मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तलाब में अर्पित किया गया, तब वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का माहौल था, वो देखते ही बनता था। ये दिखाता है कि हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की भावना कितनी प्रबल हो रही है। पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की ये सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

प्रधानमंत्री ने सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय मूल की प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) पर लगभग नौ माह से अधिक समय बिताने के बाद मंगलवार तड़के धरती के लिए रवाना हुए। स्पेसएक्स यान अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से गंतव्य के लिए निकल पड़ा है। ऐसे में उनके सुरक्षित धरती पर वापसी के लिए भारत सहित पूरी दुनिया प्रार्थना कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को लिखा एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि भारत के लोग सुनीता विलियम्स के अच्छे स्वास्थ्य और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सुनीता को भारत आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि वह स्वयं सुनीता से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को लिखा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। प्रधानमंत्री ने यह भावुक पत्र गत 1 मार्च को लिखा था।

पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने सुनीता की उपलब्धियों पर गर्व जताया और उनकी वापसी के लिए 1.4 अरब भारतीयों की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी प्रेरणादायक दृढ़ता और संकल्प को प्रदर्शित किया है। भले ही आप हजारों मील दूर हों, आप हमारे दिल के करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

मोदी ने यह भी बताया कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जो बाइडन से अपनी मुलाकातों के दौरान सुनीता की कुशलता के बारे में पूछताछ की थी। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में दिल्ली में नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मासिमिनो से मुलाकात का जिक्र किया, जहां सुनीता का नाम चर्चा में आया था। इस मुलाकात के बाद उन्हें सुनीता को पत्र लिखने की प्रेरणा मिली।

▪ भारत आने का दिया निमंत्रण

आईएईए के डीजी ने वैश्विक परमाणु ऊर्जा भागीदारी केंद्र में एसएन बोस भवन का उद्घाटन किया

- आईएईए ने भावी विशेषज्ञों को प्रोत्साहित करने के लिए परमाणु इंजीनियरिंग पर छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया
- भारत ने नई जीसीएनईपी सुविधा के साथ वैश्विक परमाणु अनुसंधान में अपनी भूमिका को मजबूत किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने आज यहां सुषमा स्वराज भवन में वैश्विक परमाणु ऊर्जा भागीदारी केंद्र (जीसीएनईपी) में एसएन बोस भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान परमाणु इंजीनियरिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स की भी शुरूआत की। इस अवसर पर आईएईए के महानिदेशक ग्रॉसी ने परमाणु विज्ञान और क्षमता निर्माण में वैश्विक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने परमाणु ऊर्जा का उपयोग करके सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए परमाणु प्रौद्योगिकी और वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रख्यात भारतीय भौतिक विज्ञानी डॉ. सत्येंद्र नाथ बोस के सम्मान में नवनिर्मित एसएन बोस भवन, परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक उन्नत केंद्र के रूप में काम करेगा। इस सुविधा में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं जो जीसीएनईपी के विशेष विद्यालयों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जिससे परमाणु सुरक्षा, रिएक्टर प्रौद्योगिकी, विकिरण सुरक्षा, परमाणु सामग्री लक्षण वर्णन और रेडियोआइसोटोप अनुप्रयोगों में इसकी क्षमताओं में वृद्धि होती है। कार्यक्रम के दौरान शुरू किया गया परमाणु इंजीनियरिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स, रिएक्टर भौतिकी, परमाणु ईंधन चक्र, रेडियोलॉजिकल सुरक्षा, परमाणु सुरक्षा उपायों और परमाणु प्रौद्योगिकी के उभरते अनुप्रयोगों पर गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया छह महीने का कार्यक्रम है। पाठ्यक्रम को वैश्विक स्तर पर जीसीएनईपी के सभी हस्ताक्षरकर्ताओं के लिए खोलने की योजना है और यह एक बैच में 40 अंतरराष्ट्रीय और 10 राष्ट्रीय प्रतिभागियों को पूरा करेगा। पाठ्यक्रम का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के सुरक्षित, संरक्षित और टिकाऊ उपयोग में योगदान देने के लिए सुसज्जित परमाणु पेशेवरों की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देना है।

जीसीएनईपी के सदस्य देशों ने वैश्विक परमाणु सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों, कार्यबल विकास, शिक्षा और प्रशिक्षण तथा सार्वजनिक पहुंच पर जोर दिया गया।

वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक करने की तैयारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनाव आयोग आधार और वोटर आईडी कार्ड को लिंक करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में यूआईडीएआई और चुनाव आयोग के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होने वाला है। आयोग ने निर्णय लिया है कि आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आधार केवल पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आज नई दिल्ली स्थित

निर्वाचन सदन में बैठक हुई। इसमें चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी, केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित थे। बैठक के बाद आयोग ने एक बयान में बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को ही दिया जा सकता है। आधार कार्ड केवल व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है। आयोग ने कहा कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप ही किया जाएगा।

इजराइल ने गाजा पर छह घंटे बरसाए बम, 413 लोगों की मौत

गाजा पट्टी, (हि.स.)। इजराइल ने गाजा में फिर से हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के मुताबिक वायुसेना ने गाजा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल द्वारा मंगलवार सुबह किए गए हवाई हमलों में कम से कम 413 लोग मारे गए हैं। युद्धविराम के बाद गाजा में किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। जिसमें इतने लोगों की मौत हुई है। वहीं हमास ने चेतावनी दी है कि गाजा में इजराइल के नए हमले युद्ध विराम का उल्लंघन हैं और यह बंधकों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। इसके साथ ही इजराइल ने लोगों से गाजा पट्टी खाली करने के लिए कहा है। गाजा में इजरायल के हवाई हमलों में हमास के कई प्रमुख नेता मारे गए हैं। हमले में हमास की सरकार के प्रमुख, महमूद अबू वाटफा भी मारे गए हैं, जो आंतरिक मंत्रालय के महानिदेशक थे। इनके अलावा, हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य अबू ओबैदा मोहम्मद अल-जमासी और इस्साम अ-दालीस भी इनमें शामिल थे। हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख बहजत अबू सुल्तान और न्याय मंत्रालय के महानिदेशक अबू अम्र अल-हत्ता भी इन हमलों के शिकार बने हैं।

फलस्तीनी अधिकारियों ने हमले में कम से कम 413 लोगों की मौत की जानकारी दी है। मध्य गाजा स्थित अल-अक्सा मार्टर अस्पताल आधारित मंत्रालय के प्रवक्ता खलील देगरान ने मंगलवार सुबह अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराए। कहा जा रहा है जनवरी में युद्धविराम के प्रभावी होने के बाद से यह गाजा में अब तक का सबसे भीषणतम हमला है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम को बढ़ाने के लिए वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं होने के कारण उन्होंने हमले का आदेश दिया। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजराइल अब सैन्य ताकत बढ़ाकर हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

इजराइल ने इस हवाई हमले की वजह हमास द्वारा लगातार बंधकों की रिहाई से इनकार को बताया। इजराइल ने हमास आतंकियों पर हवाई हमलों को अंजाम देने की बात कही। वहीं इजराइल के हमले के बाद गाजा पट्टी में स्कूल बंद कर दिए गए। हमास ने इजराइल पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। हमास ने बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू और उनकी कट्टरपंथी सरकार ने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है, जिससे बंधकों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए हैं।

इजराइल ने गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की रिपोर्ट्स हैं। सीरिया में दारा इलाके में रिहायशी क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। लेबनान में भी इजराइल ने दो हिजबुल्ला आतंकियों को मारने का दावा किया है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज रात गाजा में किए गए हमलों को लेकर इजराइल ने ट्रंप प्रशासन और व्हाइट हाउस से सलाह ली थी। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है, हमास, हूती, ईरान को अमेरिका और इजराइल को आतंकित करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। सबकुछ तहस-नहस कर दिया जाएगा।

केजरीवाल ने विपश्यना के बहाने पंजाब में डाला डेरा, भगवंत मान को किया किनारे : कांग्रेस

आलोक पाण्डेय

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पंजाब से जुड़े मुद्दों को लेकर यहां के इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक की। इस बैठक में पंजाब कांग्रेस प्रभारी एवं महासचिव भूपेश बघेल, पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि आज की बैठक में पंजाब कांग्रेस प्रभारी व महासचिव भूपेश बघेल के साथ पंजाब से जुड़े मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। 75 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, जब पंजाब में शीतकालीन सत्र ही नहीं बुलाया गया। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी (आआपा) जब विपक्ष में थी तो उसके नेता कहते थे कि साल में विधानसभा के तीन सत्र होने चाहिए और प्रत्येक सत्र में 40 बैठकें जरूर हों। अब प्रदेश में आआपा राज में पिछले तीन साल से औसतन प्रत्येक विधानसभा सत्र में 10 दिन की बैठक हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल विपश्यना के नाम पर पंजाब में डेरा डाले हैं। पंजाब में केजरीवाल ने भगवंत मान को किनारे कर दिया है। ये पंजाब में कब्जा करने को बैठे हैं और सारे ट्रांसफर खुद कर रहे हैं। वो यहां से राज्यसभा जाने की योजना बना रहे हैं। केजरीवाल पंजाब के उपचुनावों में लगे हुए हैं, ताकि संजीव अरोड़ा चुनाव जीतें और उनके लिए राज्यसभा की कुर्सी खाली हो। इसके बावजूद हमें पूरा भरोसा है कि पंजाब की जनता इन्हें रिजेक्ट करके वापस भेजेगी।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि आज प्रताप सिंह बाजवा के नेतृत्व में विधायक दल की बैठक हुई। इस बैठक को भूपेश बघेल ने संबोधित किया और सभी विधायकों ने चर्चा की। इस चर्चा के दौरान हमने उन मुद्दों पर बात की, जिन्हें पंजाब विधानसभा सत्र शुरू होने के बाद उठाया जाएगा।

Page-02_Layout 1 3/18/2025 10:13 PM Page 1

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली में छात्रवृत्ति की घोषणा की

नई दिल्ली, (हि.स.)। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में न्यूजीलैंड उत्कृष्टता पुरस्कार (एनजेडईए) 2025 के तहत एनजेड 260,000 डॉलर छात्रवृत्ति पैकेज की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों को समर्थन देना है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने आईआईटी दिल्ली में शिक्षा पर केंद्रित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में न्यूजीलैंड सेंटर का जश्न मनाया गया। यह एक प्रमुख पहल है जो आईआईटी दिल्ली के सहयोग से न्यूजीलैंड के सभी विश्वविद्यालयों को एक साथ लाती है। इसके अतिरिक्त, एक अद्वितीय वर्चुअल इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की गई, जो 30 आईआईटी दिल्ली के छात्रों को न्यूजीलैंड की कंपनियों के साथ दूरस्थ रूप से इंटर्नशिप करने का मौका देगा। यह कार्यक्रम व्यावहारिक उद्योग अनुभव और न्यूजीलैंड की अभिनव कार्य संस्कृति की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा कि न्यूजीलैंड और भारत एक पारस्परिक शिक्षा साझेदारी साझा करते हैं, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित है। जैसे-जैसे हम एक तेजी से परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में आगे बढ़ रहे हैं, हम छात्रों को वैश्विक मंच पर सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज घोषित पहलों के माध्यम से हम गहरे संबंधों को बढ़ावा दे रहे हैं और भविष्य के नेताओं और नवप्रवर्तकों को सशक्त बना रहे हैं।

आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आईआईटी दिल्ली में, हम वैश्विक शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं जो नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हैं।

न्यूजीलैंड सेंटर के माध्यम से न्यूजीलैंड के साथ हमारी साझेदारी ने ज्ञान के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान और छात्र गतिशीलता को सुविधाजनक बनाया है। स्थिरता और आपदा लचीलापन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, हम नवाचार के लिए साझा प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं। वर्चुअल इंटर्नशिप प्रोग्राम की शुरूआत और विस्तारित अनुसंधान सहयोग हमारे छात्रों के लिए वैश्विक प्रदर्शन और उद्योग के अनुभव को और बढ़ाएगा।

बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में सांसद।

लोकसभा अध्यक्ष ने दिल्ली के विधायकों से विधानसभा को आदर्श विधानसभा बनाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज दिल्ली विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों से इसे आदर्श विधानसभा बनाने का आग्रह किया, क्योंकि नई सरकार से लोगों को बहुत अधिक अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जनप्रतिनिधि दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं, लेकिन उनके कार्यों पर पूरे देश की नजर रहती है।

बिरला आज दिल्ली विधानसभा परिसर में विधानसभा सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली विधानसभा और लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा किया जा रहा है। सदस्यों से लोगों की समस्याओं के नए समाधान खोजने और प्रतिस्पर्धी भावना से विचारों और अनुभवों को साझा करने का आग्रह करते हुए बिरला ने कहा कि विधायकों को विधानसभा में ऐसे नवाचार प्रस्तुत करने चाहिए, जिससे लोगों की समस्याओं का हल निकले और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान हो। दिल्ली से निकलने वाले समाधान न केवल दिल्ली के काम आएंगे, बल्कि देश के अन्य राज्यों और विधायी निकायों के लिए भी एक उदाहरण बनेंगे। बिरला ने सुझाव दिया कि सदस्यों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित रहकर सोचने के बजाय पूरी दिल्ली के विकास पर ध्यान देना चाहिए। दिल्ली को भारत का लघु रूप बताते हुए बिरला ने कहा कि यहां सभी राज्यों से विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोग आते हैं, और उनकी अलग-अलग आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करना निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि सदस्यों को लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करते समय लोकतांत्रिक भावना और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखते हुए सदन के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने विधानमंडल को कायपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रभावी मंच बनाने के लिए टेक्नालोजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सदस्यों के क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया।

विधानमंडलों को सार्थक संवाद का मंच बताते हुए बिरला ने कहा कि सदन में किसी भी प्रकार का गतिरोध नहीं होना चाहिए तथा असहमति को गरिमापूर्ण ढंग से तथा सार्थक संवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए। अध्यक्ष ने सदस्यों से सार्वजनिक जीवन में आचरण तथा नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, नेता विपक्ष आतिशी, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद और विधानसभा के सदस्य भी मौजूद थे।

दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने लोक सभा अध्यक्ष और विधायकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रबोधन कार्यक्रम न केवल विधायी दायित्वों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर है, बल्कि एक-दूसरे से सीखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का मंच भी है। गुप्ता ने संसदीय प्रक्रियाओं और नियमों को समझने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने नए सदस्यों से नियम पुस्तिका, विशेष रूप से आचार संहिता को अच्छी तरह से पढ़ने और सदन की कार्यवाही के दौरान इन दिशानिदेर्शों का पालन करने का आग्रह किया।

गुप्ता ने याद दिलाया कि सदन में बोलने से पहले अध्यक्ष की अनुमति आवश्यक है। विपक्ष में अपने अनुभव से उन्होंने कहा कि कम संख्या होने के बावजूद सरकार विपक्ष की बात सुनने के लिए बाध्य है। दिल्ली विधान सभा की संरचना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने विधायकों को विभिन्न समितियों के बारे में जानकारी दी, जिन्हें अक्सर मिनी सदन कहा जाता है और जो शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन समितियों का गठन आगामी वित्तीय वर्ष में किया जाएगा।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उद्धृत करते हुए कहा, सरकारें आएंगी, जाएंगी, मगर ये देश और उसका लोकतन्त्र रहना चाहिए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की प्रगति, समृद्धि और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और हर पल का उपयोग लोगों की बेहतरी के लिए करने के महत्व पर जोर दिया। सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने नेतृत्व में विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया और निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिए सौहार्दपूर्ण राजनीतिक माहौल की आवश्यकता की बात भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने हम पर बहुत भरोसा किया है। हर पल कीमती है। इसका सम्मान और सही ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। हमारा एकमात्र उद्देश्य दिल्ली की प्रगति है और आज जो सौहार्दपूर्ण माहौल है, उसे अगले पांच साल तक भी बनाए रखना चाहिए। विकास मार्ग में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर दिल्ली विधान सभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने भी सभा को संबोधित किया। दिल्ली विधान सभा में उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पहले, लोक सभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने परिचयात्मक टिप्पणी की।

आज का राशिफल

मेष राशि-कुटुम्ब की चिन्ताएं मन व्यग्र रखे, किसी के कष्ट के कारण हानि अवश्य होगी।

वृष राशि-भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बन जायेंगे, ध्यान दें।

मिथुन राशि-इष्ट मित्र से तनाव क्लेश व अशांति तथा कार्य व्यवसाय में बाधा होगी।

कर्क राशि-दैनिक कार्यगति अनुकूल, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, फल कम मिलेगा।

सिंह राशि-योजनाएं फलीभूत हो, सुख के साधन बनें, तनाव क्लेश व अशांति से बचे।

कन्या राशि-बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप एवं समस्याएं सुधरे, सुख के कार्य अवश्य हो।

तुला राशि-साधन सम्पन्नता के योग बने तथा कुटुम्ब में क्लेश हानि अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि-असमंजस बना रहे, प्रभुत्व वृद्धि तथा कार्यगति अनुकूल अवश्य हो।

धनु राशि-असमर्थता का वातावरण क्लेश युक्त रखे, अवरोध विवाद से बचकर चले।

मकर राशि-धन लाभ आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा बिगड़े कार्य बन जायेंगे।

कुंभ राशि-इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, बड़े बड़े लोगों से मेल मिलाप अवश्य होगा।

मीन राशि-मनोवृत्ति संवेदनशील हो धन और शक्ति नष्ट हो, मानसिक व्यग्रता से बचे।

-अम्बुजा तिवारी

बाढ़ प्रबंधन एवं जल संचय-जन भागीदारी पहल पर बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने मंगलवार को यहां जल संसाधन विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा श्रम शक्ति भवन में आयोजित बाढ़ प्रबंधन एवं जल संचय - जन भागीदारी पहल पर बैठक में भाग लिया।

इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, सीआर पाटिल ने की। इसमें एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल , केंद्रीय जल आयोग , राष्ट्रीय जल मिशन , केंद्रीय भूजल बोर्ड और अन्य प्रमुख हितधारकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में एनडीएमसी के अध्यक्ष

केशव चंद्रा ने एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से एनडीएमसी क्षेत्र में प्रभावी बाढ़ प्रबंधन और वर्षा जल संरक्षण की प्रमुख रणनीतियों को प्रस्तुत किया।

उन्होने बताया कि जल उपयोग को अनुकूलित करने के लिए एनडीएमसी ने अपने अधिकार क्षेत्र में वर्षा जल संचयन परियोजनाएं शुरू की हैं। इसमें क्रॉसवेव तकनीक पर आधारित मॉड्यूलर वर्षा जल संचयन गड्ढे शामिल हैं। यह एक किफायती और पर्यावरण अनुकूल समाधान है, जिसमें ईंटों और सीमेंट का न्यूनतम उपयोग किया जाता है, जिससे निर्माण लागत कम होती है। इन गड्ढों में पॉलीप्रोपाइलीन मॉड्यूल का उपयोग किया जाता है, जिन्हें जियो-टेक्सटाइल में लपेटा जाता है ताकि जल की गुणवत्ता बनी रहे। इन संरचनाओं की भार सहन करने की क्षमता उन्हें पार्किंग या उद्यानों के लिए उपयुक्त बनाती है और इनमें 95 प्रतिशत जल भंडारण की उच्च क्षमता होती है। संचयित जल का उपयोग भूजल पुनर्भरण, फव्वारों, सौंदर्यीकरण परियोजनाओं और एनडीएमसी क्षेत्र के हरे-भरे स्थानों के रखरखाव के लिए किया जाएगा।

बैठक में कुलजीत चहल ने जल संरक्षण में जन भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया और सभी हितधारकों से सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने अब तक 272 वर्षा जल संचयन गड्ढों का निर्माण किया है, जिनमें 167 पारंपरिक गड्ढे और 105 मॉड्यूलर गड्ढे शामिल हैं। इनमें से 182 गड्ढों की सफाई की जा चुकी है और बाकी गड्ढों कि सफाई मई 2025 तक पूरी कर ली जाएगी। जल संरक्षण प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सीजीडब्ल्यूबी रिपोर्ट के अनुसार 30 किलोलीटर क्षमता वाले 95 नए जल संचयन गड्ढों का निर्माण किया जाएगा।

चहल ने आगे बताया कि एनडीएमसी ने 27 प्रमुख जलभराव स्थलों की पहचान की है, जिनमें पुराना किला रोड, गोल्फ लिंक, लोधी कॉलोनी, अफ्रीका एवेन्यू, एम्स फ्लाईओवर, बीकेएस मार्ग, कनॉट प्लेस और विनय मार्ग शामिल हैं। इन स्थलों पर जलभराव की समस्या से निपटने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

आगे बाढ़ और जलभराव की समस्या के बारे में चहल ने बताया कि एनडीएमसी का 42.7 वर्ग किमी का जल निकासी नेटवर्क चार प्रमुख जल निकासी क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसके समक्ष जलवायु परिवर्तन, बढ़ती वर्षा तीव्रता, सीमित जल निकासी क्षमता (25 मिमी प्रति घंटे), सुनहरी पुल्ला नाला और पुराना किला रोड जैसे प्रमुख आउटफॉल पर प्रतिकूल ढलान की समस्या और सीपीडब्ल्यूडी, एनबीसीसी, रेलवे और पीडब्ल्यूडी जैसी एजेंसियों द्वारा चल रही निर्माण परियोजनाओं से उत्पन्न जल प्रवाह अवरोध जैसी चुनौतियां हैं।

सूडोकु नवताल- 7374

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7373 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

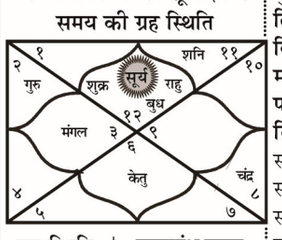

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.52 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.06 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.04 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.18 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.34 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.46 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.56 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.11 ब.से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	धनु	00.27 बजे से
		मकर	02.32 बजे से
		कुंभ	04.19 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 78 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 20.50 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 17.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.25 बजे तदनन्तर तैतिल 00.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872288
जूलियन दिन 2460753.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 18
विशेष रंगपंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मुलाकात की।

राहुल गांधी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लक्सन के बीच सोमवार को हुई वार्ता के एक दिन बाद हुई, जब भारत और न्यूजीलैंड ने रक्षा संबंधों और इंडो-पैसिफिक में सहयोग को संस्थागत बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी समझौता किया था। लक्सन ने बाद में नई दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, न्यूजीलैंड में हिंदू समुदाय ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज दिल्ली में, मैंने कई कीवी-हिंदुओं के लिए पवित्र स्थान- बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में अपना सम्मान अर्पित किया।

शब्द पहेली - 8436

1			2	■	■	3		4
	■	■	5	6	7		■	
8	9	■	■	10		■	■	
■	11	12	■		■	13	14	
■	15			■	16			■
17			■	18	■	19		■
	■	■	20		■	■	21	22
	■	23			24	■	■	
25			■	■	26			

बाएँ से दाएँ

1. *अँगरखा-4*
3. *मान-सम्मान,इज्जत-3*
5. *शुभाशीर्वाद,नियामत-4*
8. *केश-2*
10. *कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2*
11. *बुरी आदत-2*
13. *मगरमच्छ-3*
15. *परिणाम-3*
16. *माँड़ी,स्टार्च-3*
17. *अक्षर (उर्दू-3)*
19. *रोम,केश-2*
20. *अधिकार,आरोप-2*
21. *सतह,स्तर,पटल-2*
23. *लूटपाट,डाका-4*
25. *सभ्यीकरण,विवेक-3*
26. *एक प्रसिद्ध कवि-4*

ऊपर से नीचे

1. *अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3*
2. *नया,नवीन-2*
3. *इज्जत-2*
4. *कपोल-4*
6. *गमन,प्रेषित-3*
7. *पिता के पिता-2*
9. *चुनौती-4*
13. *गंदगी का ढ़ेर-3*
14. *असावधानी-4*
17. *जेल,कालकोठरी-4*
18. *शोर,ध्वनि,कंपन्न-3*
20. *ताप,शवदाह-2*
22. *यज्ञ,आहुति दान-3*
23. *रहस्य-2*
24. *जल, पानी-3*

शब्द पहेली -8435 का हल

■	अ	न	ब	न	■	सौ	■	■
■	प	■	री	■	स	त	ल	ज
जि	रा	फ	■	द	म	न	■	ल
■	ध	र	ती	■	झ	■	रा	ज
फि	■	क	मा	नी	दा	र	■	ला
त	न्हा	■	र	■	र	ह	म	■
र	■	म	दा	री	■	ना	र	द
त	र	का	री	■	जा	■	ध	■
■	■	न	■	प	न	घ	ट	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

मणिपुर में चार उग्रवादी और नशीले पदार्थों का सौदागर गिरफ्तार

इंफाल, (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में चार उग्रवादियों और नशीले पदार्थों के एक सौदागर को गिरफ्तार किया है। राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। यह जानकारी आज सुबह पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों ने केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर खुंद्रकपम माइकल सिंह (33) को निंगथौखोंग खा केइरुंगबम लेकाई से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने सांगाइप्रू एफसीआई गोदाम क्षेत्र में एक 9 एमएम पिस्तौल और कुछ गोलियां छिपाने की बात कबूल की। उसके कब्जे से 9 एमएम पिस्तौल (एक) खाली मैगजीन के साथ, 9 एमएम की चार गोलियां, 9 एमएम का एक खाली खोल, एक एके-47 की जिंदा गोली, 7.62 एमएम की एक जिंदा गोली, .303 की दो जिंदा गोलियां, एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड तथा एक आधार कार्ड बरामद हुईं।

इसके अलावा, इंफाल पश्चिम जिले में वांगोई थाना क्षेत्र के हाओरेबी मयाई लेकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के कैडर लैशराम टोम्बा सिंह (33) को गिरफ्तार किया गया। वह आम जनता, सरकारी कर्मचारियों और दुकानदारों से जबरन वसूली में शामिल था। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के वांगोई थाना क्षेत्र के शामुरौ नाओरेम चापरौ मखा लेकाई से प्रेपाक/यूपीपीके के कैडर अथोकपम रोमियो सिंह उर्फ न्गांबा (44) को गिरफ्तार किया गया। वह पहले आरपीएफ/पीएलए का सदस्य था और जबरन वसूली में संलिप्त था। उसके पास से दो मोबाइल फोन (सिम कार्ड सहित) और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।

सुरक्षा बलों ने लैंपेल थाना क्षेत्र के लैंगोल गेम विलेज जोन-क्क्क में मैरी कॉम रीजनल बॉक्सिंग फाउंडेशन के पास से आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर लौरेम्बम ब्रोजन सिंह उर्फ डाइसन (50) को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन, एक दोपहिया वाहन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।

इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों ने चंदेल जिले के मोलचाम थाना क्षेत्र के कुलजंग गांव से मार्टिन प्रतिनलेन किलोन्ग (23) को गिरफ्तार किया।

उसके पास से लगभग 5.48 किलोग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर (137 साबुन के डिब्बों में), एक चारपहिया वाहन, दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ।

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के आवास 9 माल एवेन्यू पर मॉकड्रिल करते पुलिसकर्मी।

पटना। विधानसभा बजट सत्र के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा।

भारत में रेलवे का किराया पड़ोसी देशों से काफी कम : वैष्णव

नई दिल्ली, (हि.स.)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि भारत में रेल किराया 2020 से स्थिर है और यह पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा कि कोविड की कठिनाइयों से उभरकर भारतीय रेलवे अब प्रतिवर्ष होने वाले खर्चों को अपने राजस्व से पूरा करने में सक्षम हो गया है।

रेल मंत्री वैष्णव ने लोकसभा में 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर बहस का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। बाद में लोकसभा ने अनुदानों मांगों को पारित कर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे इस वर्ष नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक का दर्जा हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्कोप-कमें कार्बन उत्सर्जन को प्रत्यक्ष उत्सर्जन में वगीर्कृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रेलवे स्कोप-1 नेट जीरो हासिल करेगा। स्कोप वन नेट जीरो बहुत बड़ा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को 2025 में भारतीय रेलवे हासिल करेगा।

वैष्णव ने कहा कि कोविड में रेलवे को काफी समस्याएं हुई थीं, उन मुश्किलों से निकल कर आज रेलवे एक स्वस्थ स्थिति में आ गई है।

रेलवे में जो खर्चे हैं उसमें छोटे बड़े सभी खर्चों को मिला कर आज परिस्थितियां ऐसी हैं कि करीब-करीब सारे खर्चे रेलवे आज अपनी ही आय से पूरा कर पा रहा है।

मंत्री ने कहा कि रेलवे का खर्च में सबसे बड़ा भाग स्टाफ की लागत 1,16,000 करोड़, 15 लाख पेंशनर्स का करीब 66,000 करोड़, ऊर्जा की लागत 32,000 करोड़ और फाइनेंसिंग की लागत 25,000 करोड़ है।

सभी खर्च मिला कर कुल खर्च 2,75,000 करोड़ रुपये है और आय करीब 2,78,000 करोड़ रुपये है।

वैष्णव ने कहा कि रेलवे यात्रियों के ऊपर एक बहुत बड़ी सब्सिडी देता है। रेलवे का खर्चा पैसेंजर को 1 किलोमीटर यात्रा करने में 1.38 रुपये का होता है। उसके मुकाबले रेलवे टिकट पर मात्र 71 पैसे लेता है। कुल 53 प्रतिशत ही राजस्व लेती है बाकि 47 प्रतिशत छूट होता है। इस कुल छूट की वैल्यू 60,000 करोड़ रुपये है। 60000 करोड़ की सब्सिडी रेलवे अपने यात्रियों के यात्रा का देती है। रेलवे इसको सामाजिक दायित्व की तरह लेती है।

वैष्णव ने 2014 के बाद रेल दुर्घटनाओं में आई कमी के आंकड़े साझा करते हुए पूर्व रेल मंत्रियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में एक साल में 234 दुर्घटनाएं और 464 ट्रेन पटरी से उतर गईं यानि प्रति वर्ष लगभग सात सौ के आसपास दुर्घटनाएं होती थीं।

ममता बनर्जी के कार्यकाल में 165 दुर्घटनाएं और 230 ट्रेन पटरी से उतर गईं, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या प्रति वर्ष 395 हो गईं। मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यकाल में 118 दुर्घटनाएं और 263 ट्रेन पटरी से उतर गईं, जिससे दुर्घटनाओं की कुल संख्या 381 हो गई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। इसके चलते अब 2019-20 में दुर्घटनाओं का आंकड़ा घटकर 291 पर पहुंचा। अब यह आंकड़ा घटकर 30 दुर्घटनाएं और 43 ट्रेन के पटरी से उतरने पर आ गया है, जो कि पहले की अवधि से 90 प्रतिशत कम है और 2014-15 की तुलना में 80 प्रतिशत कम है।

मंत्री ने कहा कि रेलवे ने 2020 से किराये में कोई वृद्धि नहीं की है और तब से किराया स्थिर है।

वैष्णव ने कहा कि अगर हम पड़ोसी देशों से तुलना करें तो हमारे यहां किराया बहुत कम है। 350 किलोमीटर की यात्रा के लिए भारत में जनरल क्लास का किराया 121 रुपये है। यह पाकिस्तान में 436 रुपये, बांग्लादेश में 323 रुपये और श्रीलंका में 413 रुपये है। मंत्री ने कहा कि यूरोपीय देशों में किराया भारत की तुलना में पांच से 20 गुना अधिक है।

राजधानी पटना के कंकड़बाग में एक करोड़ की लूट

पटना, (हि.स.)। बिहार पुलिस के आला अधिकारी और मुख्यमंत्री की हाई-लेवल बैठक के 24 घंटे के भीतर राजधानी पटना में दिन दहाड़े मंगलवार को एक करोड़ की लूट की घंटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है।

घटना राजधानी के कंकड़बाग अशोक नगर की बताया जा रही है। लूट के बाद लुटेरे नवादा की तरफ फरार हो गए हैं। वहीं लूट की वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने भी लूट की पुष्टि की है। कंकड़बाग थाना क्षेत्र के अशोक नगर के रोड नं-14 में यह लूटपाट हुई। बताया गया कि पीड़ित जमीन रजिस्ट्री के लिए पैसे लेकर आया हुआ था। जिसकी भनक लुटेरों को हो गई थी। उन्होंने दिन दहाड़े रुपयों को लूट लिया और फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही कंकड़बाग पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

नीतीश और महेश नाम के दो व्यक्तियों को गुप्ता नाम के जमीन दलाल ने जमीन दिखाने के लिए बुलाया था। इस दौरान नीतीश और महेश के पास 50-50 लाख रुपये को दो बैग थे। वह लगातार प्रॉपर्टी डीलर के संपर्क में थे। जब वह जमीन देख रहे थे, इसी दौरान लुटेरे वहां पहुंच गए और हथियार दिखाकर पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए।

पटना में हुई लूट की यह वारदात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक दिन पहले ही सीएम नीतीश कुमार ने डीजीपी और मुख्य सचिव के साथ लंबी बैठक कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए जरुरी निर्देश दिए थे। जिसके बाद आज पटना पुलिस में बड़े पैमाने पर थानाध्यक्षों का ट्रांसफर किया गया।

पटना के एसएसपी अवकाश कुमार ने एक करोड़ की लूट की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि करीब 6-7 की संख्या में अपराधी थे, जिन्होंने लूट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित नवादा का रहने वाला बताया जाता है। घटना के संबंध में उसने कहा कि पैसे लेकर वह जमीन की रजिस्ट्री करने पटना आया था।

नागपुर के कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में नागपुर हिंसा पर कहा कि पुलिस पर हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह सब सुनियोजित साजिश के तहत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपुर में कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश हो रहा है, इसलिए सभी की जिम्मेदारी महाराष्ट्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार को सुबह के समय औरंगजेब की कब्र के विरुद्ध प्रदर्शन किया था और औरंगजे की कब्र का प्रतीकात्मक पुतला जलाया था। इसके बाद कुछ सामाजिक संगठनों ने इस संबंध में मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद पूरी तरह से शांति थी, लेकिन शाम को अचानक $अफवाह फैलाई गई कि औरंगाबाद की कब्र का प्रतीकात्मक पुतला जलाते समय धर्म विशेष के प्रतीक को भी जला दिया गया।

इसके बाद महाल, हंसापुरी और भालदरा इलाके में पथराव शुरू कर दिया गया। इस घटना में 31 पुलिस कर्मी और 5 सामान्य नागरिक घायल हुए हैं। पुलिस वालों तीन डीसीपी लेवल के अधिकारी घायलों में शामिल हैं।

भारत में क्षय रोग की दर में 17.7 प्रतिशत की कमी : केंद्र

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को भारत मंडपम में भारत नवाचार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य देश से क्षय रोग (टीबी) समाप्त करने के लिए नवाचारी समाधानों पर बल देना है और 2025 तक भारत की टीबी उन्मूलन की प्रगति को तेज करना है। यह सम्मेलन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (डीएचआर-आईसीएमआर) और केंद्रीय टीबी विभाग (सीटीडी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (मोएचएफडब्ल्यू) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए अनुप्रिया पटेल ने टीबी नियंत्रण में भारत की अभूतपूर्व प्रगति और इस मिशन में नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह कार्यक्रम 2025 तक देश से टीबी को समाप्त करने के लक्ष्य की ओर तेज गति से प्रगति कर रहा है। वर्ष 2023 में 25.5 लाख टीबी के मामले थे और 2024 में 26.07 लाख मामले समाने आए थे। यह अब तक का सबसे उच्चतम आकंड़ा है। अनुप्रिया पटेल ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2024 का हवाला देते हुए कहा कि भारत में टीबी की दर 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 मरीज से घटकर 2023 में प्रति लाख जनसंख्या 195 हो गया है, जो 17.7 प्रतिशत की कमी को दशार्ता है। टीबी से होने वाली मौतों में 2015 में प्रति लाख जनसंख्या 28 से घटकर 2023 में प्रति लाख जनसंख्या 22 हो गई है, जो 21.4 प्रतिशत की कमी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवोदित नेतृत्व के तहत भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले दशक में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है और आप में से कई ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि नवाचार और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

उन्होंने कहा कि भारत में टीबी उपचार कवरेज पिछले आठ वर्षों में 2015 में 53 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 85 प्रतिशत हो गया है। राज्यों एवं संघशासित प्रदेशों में जो ड्रग-प्रतिरोधी टीबी के रोगियों के उपचार की सफलता दर को 2020 में 68 प्रतिशत से 2022 में 75 प्रतिशत तक सुधारने में सफल रहा है। इस मौके पर नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कह कि भारत ने आने वाले 5 वर्षों में 5 बीमारियों को खत्म करने का संकल्प लिया है जिनमें कुष्ठ रोग, लिम्फैटिक फाइलेरिया, खसरा, रूबेला और काला-अजार शामिल है। डॉ. पॉल ने दवा-प्रतिरोधक टीबी के निदान के लिए उन्नत और बेहतर उपकरणों की आवश्यकता पर भी जोर दिया और टीबी की पहचान और समाप्ति के लिए एआई की क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि टीबी की समाप्ति के लिए ऐसा प्रौद्योगिकी जो पैमाने पर लाया जा सके, उच्च प्राथमिकता है साथ ही नई तकनीकों के अनुमोदन और उनके लिए फंडिंग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है और आगे अनुसंधान के लिए क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए।

आने वाले तीन वर्षों में हर जिले में खुलेंगे कैंसर डे केयर सेंटर: जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि आने वाले तीन सालों में हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे। यह सरकार की कैंसर के उपचार के प्रति गंभीरता को दशार्ता है। मंगलवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर-देखभाल और सुरक्षा बिषय पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हुए नड्डा ने कहा कि केन्द्र सरकार कैंसर स्क्रीनिंग पर ध्यान केंद्रित कर रही है और टेलीमेडिसिन पर जोर दे रही है। हमने एक हब-एंड-स्पोक मॉडल विकसित किया है, जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को संभावित कैंसर के लक्षणों का पता लगाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये मरीज टेलीमेडिसिन के माध्यम से जिला, राज्य, और राष्ट्रीय संस्थानों से जुड़े हुए हैं, जहां उपयुक्त देखभाल के स्तर का निर्धारण किया जाता है, इस प्रकार समय की बचत होती है। जेपी नड्डा ने कहा कि झज्जर में स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, जिसमें 1,400 से अधिक बिस्तर हैं, विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल का उदाहरण प्रस्तुत करता है। चित्तरंजन कैंसर केंद्र और होमी भाभा संस्थान भी उपचार के मोर्चे पर बेहतर परिणाम दे रहे हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल का समर्थन करने के लिए 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं, जिनमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कैंसर की जांच कराते हैं। इसके अलावा देश के 22 एम्स में भी यह सुविधा मौजूद है। उन्होंने कहा कि 16 मार्च 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार ओरल कैंसर स्क्रीनिंग के तहत 29.32 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की गई है जिसमें एक लाख 63 हजार कैंसर के मरीज मिले।

झारखंड में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ जवान घायल।

पतंजलि की दवा रीनोग्रिट पर किया गया शोध रिसर्च जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स के 100 शीर्ष शोध पत्रों में शामिल

हरिद्वार, (हि.स.)। आयुर्वेद को समर्पित पतंजलि के वैज्ञानिकों की निर्मित किडनी की दवा रीनोग्रिट अनुसंधान के बाद किडनी के उपचार में उपयोगी व प्रामाणिक सिद्ध हुई है। पतंजलि की तैयार किडनी की दवा रीनोग्रिट पर किए गए शोध को विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक नेचर पोर्टफोलियो के रिसर्च जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स के वर्ष 2024 के शीर्ष 100 शोध आर्टिकल में शामिल गया है।

इस संबंध में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने मंगलवार को बताया कि आयुर्वेदिक रीनोग्रिट पर प्रकाशित शोध पत्र को 2,568 लोगों ने डाउनलोड किया गया है। यह इस तथ्य की पुष्टि करता है कि आयुर्वेदिक औषधियां न केवल रोगों को दूर करने में सफल प्रमाणित हो रही हैं, अपितु यह वैज्ञानिकों के लिए भी एक कौतुहल का विषय है कि किस प्रकार जड़ीझबूटियों से बनी कोई औषधि बिना किसी दुष्प्रभाव के बड़े से बड़े रोग को दूर करने में सक्षम है। आचार्य ने कहा कि शोध से स्पष्ट होता है कि पतंजलि की निर्मित आयुर्वेदिक औषधि रीनोग्रिट न केवल कैंसर की एलोपैथिक दवा से खराब हुए किडनी को ठीक करती है, बल्कि किडनी कोशिकाओं को दुरुस्त कर क्रियाशील बनाती है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि रीनोग्रिट की यह सफलता आयुर्वेद की वैज्ञानिक प्रमाणिकता को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दशार्ता है कि जब सनातन विज्ञान को नवीन तकनीकों की कसौटी पर परखा जाता है तो किस प्रकार अभूतपूर्ण परिणाम प्राप्त होते हैं।

Page-04_Layout 1 3/19/2025 12:02 AM Page 1

सम्पादकीय

घुसपैठियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रशंसनीय

वैसे तो देश में अवैध रूप से वर्षों से रह रहे अवैध घुसपैठियों की समस्या लम्बे समय से चली आ रही है। लेकिन देश की राजधानी में यह समस्या बहुत गम्भीर हो गयी है। राजधानी की झुग्गी झोपड़ियों रह रहे हजारों अवैध बांगलादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिये दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए गम्भीर चुनौती बनगये हैं। मेट्रो रेल की विद्युत लाइनों से तांबे के तार काटने वाले एक गैंग का तो अभी ही पता चला है। वैसे ये घुसपैठिये घरों में चोरी, छिनौती सहित कई अपराधों में संलिप्त पाये जाते हैं। इनसे निपटना पुलिस के लिए गम्भीर समस्या है।

इस समस्या से निजात पाने के लिए गृहमंत्री के निर्देश पर एक व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। इसके अनुसार दिल्ली पुलिस ने घुसपैठियों को उनके देश लौटाने और उन्हें दिल्ली में बसाने वाले नेटवर्क का पता लगाने की योजना तैयार कर ली है। कुछ सप्ताह पहले गृहमंत्रालय में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की बैठ के बाद पुलिस आयुक्त ने घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस लौटाने की कार्ययोजना बनाने की पूरी जिम्मेदारी स्पेशल सेल व स्पेशल ब्रांच को सौंपी गयी है। इसके तहत दोनों जोन के विशेष आयुक्त (कानून और व्यवस्था) अपने-अपने जोन में मानिटरिंग करेगें। इसके साथ ही सभी जिला पुलिस अपने क्षेत्र में घुसपैठियों की धर पकड़ जारी रखेंगे। घुसपैठियों से गहन पूछताछ करके पता लगाया जायेगा कि वे किसकी मदद से दिल्ली पहुंचे। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनका दिल्ली में आधार कार्ड कैसे बन गये। पुलिस बांग्लादेश की सीमा पर उनके प्रवेश मार्गों का भी पता लगा रही है। घुसपैठियों की समस्या की भयावहता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि दिसम्बर 24 से अब तक 25 हजार से अधिक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों और 2000 से अधिक रोहिंग्याओं को के दस्तावेजों की जांच की जा चुकी है।

अभी तक रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की धरपकड़ के लिए कोई कार्य योजना नहीं थी। लेकिन अब गृहमंचलय की सख्ती से अवैध घुसपैठियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने की योजना अमल में लाई जा रही है।

गृहमंत्री अमित शाह का घुसपैठियों और पनाह देने वालों की प्रति कठोर रुख प्रशंसनीय है। यदि पुलिस ने ईमानदारी से काम किया तो वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली की जनता को इन अवैध घुसपैठियों से मुक्ति मिल सकेगी।

लोक सेवकों के सामने चुनौतियां

प्रियंका सौरभ

कानून प्रवर्तन, उद्योग विनियमन और चुनाव अधिकारियों का उत्पीड़न और उन पर विभिन्न प्रकार के दबाव की प्रवृत्ति चिंताजनक है। यह प्रवृत्ति लोक सेवकों को अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने से रोकती ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है। अधिकारियों, विशेष रूप से चुनाव, न्यायपालिका और नियामक निकायों में शामिल लोगों को अकसर अपने निर्णयों को प्रभावित करने के उद्देश्य से धमकी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, झूठे आरोप और बदनामी अभियान उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकते हैं और उनके अधिकार को कम कर सकते हैं। हालांकि कुछ देशों में लोक सेवकों की सुरक्षा के लिए कानून हैं ऐसी स्थितियों से तनाव और भय के परिणामस्वरूप बर्नआउट, इस्तीफे और योग्य उम्मीदवारों को आकर्षित करने में चुनौतियां हो सकती हैं।

सरकारी अधिकारियों से दुर्व्यवहार और शत्रुता की बढ़ती घटनाएं प्रशासनिक नैतिकता और कानून के शासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। ऐसी घटनाएं न केवल लोक सेवकों का मनोबल गिराती हैं, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी कम करती हैं, जिससे अधिकारियों को इन कठिनाइयों से निपटने में मदद करने के लिए एक मजबूत नैतिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारियों को कई बार तो शारीरिक हिंसा का भी सामना करना पड़ता है। यह सब राजनीतिक विभाजन, गलत सूचना और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विभिन्न कारकों से प्रेरित है, जो आक्रामक बयानबाजी को बढ़ाता है। कुछ मामलों में, अधिकारियों को डोक्स किया गया है, उनकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी की जाती है और उन्हें संगठित उत्पीड़न अभियानों या शारीरिक हमलों का लक्ष्य बनाया जाता है। राजस्थान में जन सुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) पहल ने जवाबदेही को बढ़ावा दिया है और समुदाय के भीतर विश्वास का निर्माण किया है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठ सहयोगियों को प्रेरित करने के लिए नैतिक व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन ने सख्त चुनावी मानकों को लागू करके एक मजबूत उदाहरण पेश किया। ईमानदारी, लचीलापन और पारदर्शिता को अपनाकर, सिविल सेवक प्रभावी रूप से शत्रुता से निपट सकते हैं और साथ ही जनता का विश्वास भी बढ़ा सकते हैं। कठिन परिस्थितियों में नैतिक शासन बनाए रखने के लिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखना और सक्रिय उपायों को लागू करना आवश्यक है। जब सरकारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने के लिए दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थाओं और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास खत्म हो सकता है। यह प्रवृत्ति प्रभावी शासन में बाधा डाल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रतिशोध के डर से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने में संकोच कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार और अन्याय हो सकता है। ऐसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार का सामना करते समय सिविल सेवकों का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक मानकों का विश्लेषण करना और जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के तरीकों की जांच करना महत्वपूर्ण है।

अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने का प्रयास करने वाले सरकारी अधिकारियों का उत्पीड़न लोकतंत्र और प्रभावी शासन के लिए एक खतरा है। मजबूत सुरक्षा, कानूनी जवाबदेही और उत्पीड़न के प्रति सामाजिक प्रतिरोध के बिना, सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता खतरे में पड़ जाती है। सरकारों, कानून प्रवर्तन, सोशल मीडिया प्लेटफार्म और नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर सकें।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

तू है चिड़िया मेरे आंगन की

रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे घर के आंगन में सबसे बड़ी संख्या में एक छोटी चिड़िया देखने को मिलती है जिसे हम गौरैया कहते हैं। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है। जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह नन्ही चिड़िया बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव-देहात में यह आज भी देखने को मिल जाती है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भागदौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त न हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया छोटे, फुतीर्ले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है।

गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतायत में पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती।

हर वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य है गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सद्भावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकने वाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्स ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को रेड लिस्ट में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया अपने बच्चे को फसल, साग-सब्जी, फलों में लगनेवाले कीड़े को खिलाती है। इससे गौरैया के बच्चे को भरपूर प्रोटीन मिलता है। बच्चा अनाज खा नहीं सकता है लेकिन जिस तरह से फसल-सब्जी-फल-अनाज में कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ा है। उससे उनके बच्चों को सही आहार मिल पाने में परेशानी हो रही है। फसल और साग-सब्जी में बेतहाशा कीटनाशक के प्रयोग ने कीड़ों को मार डाला है। ऐसे में गौरैया अपने बच्चे को पालने के दौरान समुचित आहार यानी प्रोटीन नहीं दे पाती है और बच्चे कमजोर हो जाते हैं।

गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं। जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है।

गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। 2025 में विश्व गौरैया दिवस की थीम प्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलि है। यह थीम पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में गौरैया की भूमिका पर प्रकाश डालती है और संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

अब रुपये के चिह्न पर विवाद!

डॉ. सत्यवान सौरभ

द्रविड़ मुनेत्र कषगम। इसके दो और नाम हैं। एक- द्रमुक और दूसरा डीएमके। कुछ लोग इसे द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम भी कहते हैं। द्रमुक अब तक हिन्दी थोपने के विरोध में और तमिल भाषा की पहचान को बचाने के लिए मुखर रही है। अब उसने रुपये के चिह्न (?) को लेकर आपत्ति जताई है। पार्टी का कहना है कि इस चिह्न में भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से दक्षिण भारतीय पहचान को उचित स्थान नहीं दिया गया है। भारतीय मुद्रा के चिह्न (?) को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्ति क्या वाकई भाषा से जुड़ा विवाद है, या फिर यह सिर्फ.एक राजनीतिक रणनीति? इस सवाल के कई पहलू हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य दक्षिण भारतीय दलों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी के र अक्षर से प्रेरित है, जो हिन्दी को प्राथमिकता देता है और अन्य भारतीय भाषाओं की अनदेखी करता है। हालांकि, इस चिह्न को डिजाइन करने वाले उदय कुमार धरणी (आईआईटी गुवाहाटी) का कहना था कि इसका डिजाइन देवनागरी र और रोमन फदोनों से प्रेरित है, ताकि भारतीय और वैश्विक पहचान का मिश्रण दिखाया जा सके। द्रविड़ मुनेत्र कषगम लंबे समय से हिन्दी थोपने के खिलाफ रही है। 1965 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पहले भी नीट, नई शिक्षा नीति और सरकारी नौकरियों में हिन्दी प्राथमिकता का विरोध किया है। अब रुपये के चिह्न को लेकर विवाद द्रमुक के उसी एजेंडे का विस्तार है।

द्रमुक का मानना है कि चिह्न देवनागरी लिपि के र (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है, जबकि भारत की अन्य भाषाओं की उपेक्षा होती है। इस पार्टी और तमिलनाडु के कुछ अन्य संगठनों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी लिपि के र से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है और अन्य भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से द्रविड़ भाषाओं (तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) को उपेक्षित किया गया है। उनका मानना है कि मुद्रा का चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। दक्षिण भारतीय राज्यों में हिन्दी थोपने के खिलाफ पहले से ही एक मजबूत भावना मौजूद है और यह विवाद उसी का विस्तार माना जा सकता है। पार्टी का तर्क है कि भारत की मुद्रा का प्रतीक चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। इन दोलों का मानना है कि तमिल समेत दक्षिण भारतीय भाषाओं को केंद्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं।

द्रमुक और तमिलनाडु की अन्य पार्टियां हिन्दी थोपने के विरोध में कई बार आंदोलन कर चुकी हैं। द्रमुक की पूरी राजनीति ही तमिल पहचान और केंद्र के हिंदी वर्चस्व के खिलाफ विरोध के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह मुद्दा 1960 के दशक में हिन्दी विरोधी आंदोलनों से शुरू हुआ था और अब तक जारी है। 2010 में जब चिह्न को अपनाया गया, तब भी यह बहस उठी थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम का इस मुद्दे को फिर से उछालना एक राजनीतिक रणनीति हो सकती है, ताकि तमिल अस्मिता को लेकर अपनी स्थिति मजबूत की जा सके। हालांकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कुछ आपत्तियां तर्कसंगत हो सकती हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से भाषा का मुद्दा मानना भी सही नहीं होगा। द्रमुक केंद्र की नीतियों के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने और क्षेत्रीय राजनीति को धार देने के लिए ऐसे मुद्दों को उभारती है। यह विवाद तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के हिन्दी-हिन्दू एजेंडे का विरोध करने का एक तरीका भी हो सकता है। चिह्न किसी एक भाषा का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। पहले से ही यह चिह्न पूरे देश में स्वीकार किया जा चुका है, इसलिए अब इसे बदलने की कोई व्यावहारिक जरूरत नहीं है। इस मुद्दे को उछालना एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति ज्यादा लगती है, बजाय किसी वास्तविक समस्या के।

द्रमुक इस मुद्दे को उछालकर केंद्र सरकार, खासकर भाजपा पर हिन्दी वर्चस्व थोपने का आरोप लगा रही है। इससे दक्षिण भारत बनाम उत्तर भारत का मुद्दा उभरता है, जिससे उसे तमिलनाडु में और समर्थन मिलता है। इससे विपक्षी गठबंधन को भी भाजपा के खिलाफ एक और हथियार मिलता है। तमिलनाडु जैसे राज्यों में क्षेत्रीय पहचान और भाषा का मुद्दा चुनाव में बहुत प्रभाव डालता है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम इसे 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़े मुद्दे के रूप में भुना सकती है। वह अपने कोर वोटबेस को यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल पहचान और अधिकारों की रक्षा कर रही है। द्रमुक इस विवाद के जरिए दक्षिण भारत के अन्य राज्यों (केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना) में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर सकती है, क्योंकि इन राज्यों में भी हिन्दी थोपे जाने का विरोध रहता है। भारतीय मुद्रा का यह प्रतीक किसी एक भाषा तक सीमित नहीं है, लेकिन क्षेत्रीय दलों के लिए यह केंद्र विरोधी भावनाओं को भुनाने का एक अच्छा अवसर जरूर बन गया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अम्बानी का वनतारा विहार

अरुण गोपाल अग्रवाल

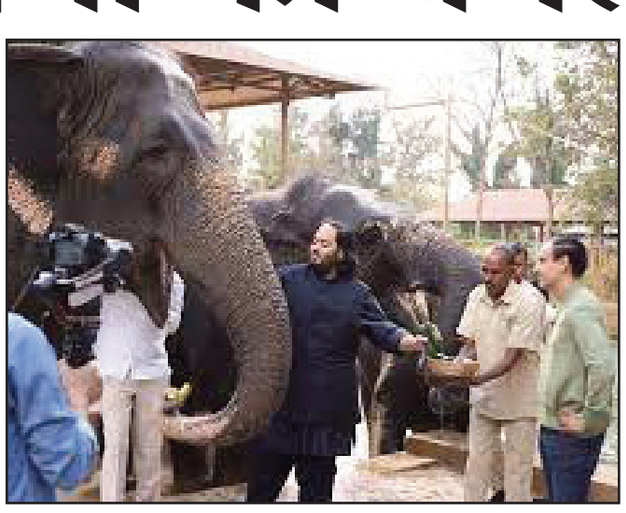

रिलायंस का वनतारा यानी जो मुकेश अंबानी ने जामनगर में 3000 एकड़ में दुनिया भर के बेसहारा सर्कस से बचाए गए जानवरों के लिए आश्रय बनाया है और इसके लिए 4000 एकड़ में अलग से एक फलदार पेड़ों का बगीचा लगाया है उसके पीछे की सच्चाई बहुत कम लोगों को पता होगी!

अनंत अंबानी जब पैदा हुए थे तब वह बिल्कुल नॉर्मल थे लेकिन 2 साल के बाद एक ऑटोइम्यून डिजीज का पता चला जिससे उनकी हड्डियों में प्रॉब्लम उनको सांस लेने में प्रॉब्लम होने लगी!

कुछ बड़े होने पर यह प्रॉब्लम और ज्यादा बढ़ गया !महंगे महंगे स्टेरॉयड दिए जाने लगे जिससे वजन भी बढ़ गया मुकेश अंबानी ने दुनिया के किसी भी डॉक्टर को नहीं छोड़ा फिर जब तमाम डॉक्टर ने उनको बताया कि ऑटोइम्यून डिजीज में स्ट्रेस हार्मोस रिलीज होने पर समस्या और ज्यादा गंभीर होती है तो आपका बच्चा जिस चीज में खुश रहता हो उसे वह काम करने दीजिए यह जितना ज्यादा खुश रहेगा तो उतने कम स्ट्रेस हार्मोन पैदा होंगे और यह ऑटो इम्युन बीमारी धीरे-धीरे उतनी ही कमजोर होती चली जाएगी!

अनंत अंबानी को जानवरों के साथ खेलना पसंद था फिर कुछ बड़े हुए तो रिलायंस टाउनशिप में एक शानदार बंगले में अनंत अंबानी अकेले रहने लगे वहां उन्होंने कुछ कुत्ते पाले थे और कुछ हिरण थे उन्हीं कुत्तों के साथ खेलते थे!

जानवरों के बीच में रहने से वह इतना खुश रहने लगे कि सच में उनकी तबीयत में बहुत शानदार सुधार हुआ!

इतना ही नहीं उनका एक प्रिय कुत्ता स्पार्कल जब मरा तब आप इस तस्वीर में देखिए उसे कुत्ते की याद में रिलायंस टाउनशिप के अंदर एक बड़ा सर्किल बना हुआ है जिसे स्पार्कल सर्कल कहते हैं और मार्बल से उसे कुत्ते की मूर्ति उसे पर लगाई गई है!

फिर एक दिन अनंत अंबानी स्लोवाकिया थे वहां उन्होंने यह देखा की एक सर्कस में कुछ हाथी और बाघ जो एकदम बुजुर्ग हो चुके हैं उन्हें जहर का इंजेक्शन देकर मारने का आदेश दिया गया है क्योंकि स्लोवाकिया की सरकार ने भी उनके पालन पोषण से मना कर दिया था उसके बाद से अनंत अंबानी ने अपने टाउनशिप में वनतरा प्रोजेक्ट शुरू किया!

स्लोवाकिया सरकार से बात करके उन सभी जानवरों को लाया गया और इस तरह देखते ही देखते मुकेश अंबानी ने अपने पुत्र के शौक के लिए अपने पुत्र को खुश रहने के लिए कई हजार करोड रुपए पानी की तरह बहा दिए

विशाल हॉस्पिटल बनाया गया दुनिया भर के जानवरों के विशेषज्ञों की जानवरों के डॉक्टर की टीम तैनात रहती है जिसमें 400 से ज्यादा विदेशी हैं जानवरों के अस्पताल में हर तरह के मेडिकल उपकरण मौजूद हैं यहां तक की जेनेटिक और जींस के विशेषज्ञ भी रखे गए हैं यहां जानवरों के लिए आईवीएफ सुविधा भी मौजूद है!

चार विशेष विमान वनतारा के सामने एयरपोर्ट पर खड़े रहते हैं इन विमान को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दुनिया भर से कहीं भी जानवरों को लाया जा सके जैसे कोविड लॉकडाउन में बहरीन में एक शेख ने अपने 1000 से ज्यादा जिराफ शेर बाघ इत्यादि को खाना खिलाने में असमर्थता जाहिर कर दिया और यह लगा कि कोविड लॉकडाउन में जब सब कुछ बंद था तो यह जानवर भूख से तड़प कर मर जाएंगे!

तब तुरंत विशेष विमान भेज कर उन सभी जानवरों को वनतारा में लाया गया यहां तक की अनन्त अंबानी ने जब कराची चिड़ियाघर में भूख से मर रहे कई जानवरों के बारे में जाना तब उन्होंने पाकिस्तान सरकार को भी चिट्ठी लिखा था कि आप इन जानवरों को हमें दे दीजिए हम उनके देखभाल करेंगे!

आकाश अंबानी और उनकी पत्नी ज्यादातर समय यही वनतारा के सामने बने बंगले में रहते हैं दोनों पति-पत्नी जानवरों में अपना पूरा ध्यान लगाते हैं और क्योंकि यह इनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है इनके कई जेट यहां खड़े रहते हैं तो जब इन्हें मुंबई जाने का मन करता है यह मुंबई चले जाते हैं!

लेकिन आप सोचिए कि एक पिता अपने पुत्र को स्वस्थ देखने की चाहत में किस तरह से पानी की तरह पैसा बहा दिया!

और अपने विवाह के दिन जब अनंत अंबानी ने अपने बीमारी के बारे में और बीमारी से जूझ रहे अपनी स्थिति का वर्णन किया था कि मैं जब से पैदा हुआ हूं सिर्फ दवा इंजेक्शन और डॉक्टर के यहां और न जाने कितने दर्द से जूझ रहा हूं तब मुकेश अंबानी एक बच्चे की तरह फूट-फूट कर रोने लगे थे!

अनंत अंबानी और वनतारा प्रोजेक्ट की यह कहानी एक पिता के अपने बेटे के प्रति असीम प्रेम और समर्पण को दशार्ती है। यह सिर्फ एक महंगा प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और इंसानियत की मिसाल है।

जहां कुछ लोग अपनी संपत्ति का इस्तेमाल केवल खुद के लिए करते हैं, वहीं अंबानी परिवार ने इसे उन बेबस और बेसहारा जानवरों की सेवा में लगा दिया, जिनका कोई सहारा नहीं था।

अनंत अंबानी के लिए यह सिर्फ एक शौक नहीं बल्कि उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया, जिससे उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ और हजारों जानवरों को एक नई जिंदगी मिली।

वनतारा सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में पशु संरक्षण के लिए एक उदाहरण बन चुका है। यह दिखाता है कि जब संसाधन और दृढ़ निश्चय मिलते हैं, तो असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

Page-05_Layout 1 3/19/2025 3:20 AM Page 1

अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा ने एससीईआरटी संभागीय कार्यालय में जादू पिटारा का शुभारंभ किया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस), शिक्षा, शांतमनु ने आज एससीईआरटी संभागीय कार्यालय, जम्मू में जादू पिटारा का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप, जादू पिटारा एक अभिनव शिक्षण टूलकिट है, जिसे आधारभूत शिक्षा को अधिक आकर्षक, संवादात्मक और आनंदमय बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें खेल आधारित और गतिविधि आधारित संसाधन जैसे कहानी की किताबें, फ्लैशकार्ड, पहेलियाँ और कठपुतलियाँ शामिल हैं, जिनका उद्देश्य प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में समग्र विकास को बढ़ाना है। अनुभवात्मक और बहु-संवेदी शिक्षा को एकीकृत करके, यह युवा शिक्षार्थियों के बीच आधारभूत साक्षरता, संख्यात्मकता और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर, एसीएस ने बच्चों के भाषा कौशल और कल्पना को समृद्ध करने के उद्देश्य से एक कहानी कार्यक्रम सुनो कहानी पहल का भी शुभारंभ किया। उन्होंने इस रचनात्मक शैक्षिक पहल की अवधारणा और कार्यान्वयन के लिए एससीईआरटी जम्मू को बधाई दी और युवा शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने में कहानी कहने की भूमिका पर प्रकाश डाला। इससे पहले, प्रोफेसर सिंधु कपूर ने एसीएस का स्वागत किया और उन्हें एससीईआरटी की विभिन्न इकाइयों और विभागों के कामकाज से अवगत कराया। उन्होंने पूरे क्षेत्र में सीखने की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एससीईआरटी जम्मू द्वारा शुरू की गई कई शैक्षिक पहलों पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी। अपने दौरे के दौरान, एसीएस ने सभी स्टाफ सदस्यों के साथ बातचीत की और उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एससीईआरटी जम्मू के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों और चिंताओं पर भी चर्चा की और उन्हें संबोधित करने में समर्थन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में बोलते हुए, एसीएस ने बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और नवीन शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए एससीईआरटी जम्मू की सराहना की। क्षेत्र में शैक्षिक परिदृश्य को बढ़ाने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। केंद्रीय एससीईआरटी, जम्मू-कश्मीर के संयुक्त निदेशक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और एससीईआरटी की पहलों के लिए उनकी अंतर्दृष्टि और समर्थन के लिए शांतमनु का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एससीईआरटी जम्मू टीम के समर्पण की भी सराहना की और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों ने उपराज्यपाल से मुलाकात की

जम्मू। भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरिंदर भगत के नेतृत्व में भाजपा नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की और जम्मू कश्मीर के अनुसूचित जाति समुदाय के विभिन्न कल्याणकारी मुद्दों को उनके समक्ष रखा।

विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों ने उपराज्यपाल से मुलाकात की।

उपायुक्त रियासी ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर जिला सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

उपायुक्त रियासी ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर जिला सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की

दिव्य भारत संवाददाता

रियासी। डिप्टी कमिश्नर रियासी सुश्री निधि मलिक ने आज डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में प्री-कॉन्सेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम पर जिला सलाहकार समिति (डीएसी) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण, अपराधों, दंड और समग्र निगरानी तंत्र पर विस्तृत चर्चा के साथ जिले भर में अधिनियम के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रियासी ने जिले के सात अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों पर एक अपडेट प्रदान किया, जिसमें पांच निजी केंद्र और दो सरकारी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने नवीनतम बाल लिंग अनुपात डेटा भी प्रस्तुत किया और निरीक्षण प्रक्रिया का विवरण दिया। डीसी ने स्वस्थ बालिका लिंग अनुपात को बढ़ावा देने में अधिनियम की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों के यादृच्छिक निरीक्षण के माध्यम से सख्त प्रवर्तन का निर्देश दिया। उन्होंने बाल लिंग अनुपात में सुधार के लिए अभिनव उपायों की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इसे राष्ट्रीय औसत के साथ जोड़ा जा सके। डीसी ने अवैध लिंग निर्धारण प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। संसद द्वारा 1994 में पारित पीसीपीएनडीटी अधिनियम का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना और जन्मपूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगाकर घटते लिंग अनुपात को रोकना है। बैठक में सीएमओ रियासी, डीआईओ (सूचना), चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्त ने उधमपुर जिले में हथियार और गोला-बारूद डीलरों की स्थिति की समीक्षा की

उधमपुर। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने आज शस्त्र नियम, 2016 के तहत वैध लाइसेंस के बिना जिले में काम कर रहे हथियार और गोला-बारूद डीलरों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आमोद अशोक नागपुरे, अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) प्रेम सिंह, प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) नवनीत सिंह, सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर) डॉ. उमेश शान, तहसीलदार और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पहल छात्र अनुभव की सराहना की

- **उपराज्यपाल ने एबीवीपी की क्षेत्रीय समझ में छात्र अनुभव (एसईआरयू) पहल के तहत लद्दाख से आए युवा प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की।**

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज एबीवीपी की राष्ट्रीय एकता यात्रा - क्षेत्रीय समझ में छात्र अनुभव (एसईआरयू) पहल के तहत केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से आए युवा प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। बातचीत के दौरान, भाग लेने वाले युवाओं ने देश के विभिन्न क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान प्राप्त अनुभव और जानकारी साझा की। उपराज्यपाल ने लद्दाख के युवाओं को देश की सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने, उन्हें शैक्षिक और शासन ढांचे के बारे में शिक्षित करने और एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को साकार करने में उनकी भूमिका को पहचानने का अवसर प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की पहल की सराहना की। उन्होंने युवाओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाना, उनके बीच सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और युवाओं को उनके भविष्य के शैक्षणिक और करियर प्रयासों के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और प्रेरणा प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।

लद्दाख के छात्रों और छात्र अनुभव कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के उच्च न्यायालय का दौरा किया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए, लद्दाख क्षेत्र के 30 छात्रों और क्षेत्रीय समझ में छात्र अनुभव कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय के जम्मू विंग का दौरा किया। छात्रों को उच्च न्यायालय में न्यायालयों के वास्तविक कामकाज से अवगत कराने के लिए संयुक्त रजिस्ट्रार न्यायिक मयंक गुप्ता द्वारा विभिन्न न्यायालयों का दौरा कराया गया।

बाद में, छात्रों ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, ताशी रबस्तान, जो लद्दाख से ही हैं, के साथ बातचीत की और उच्च न्यायालय की अपनी यात्रा सहित दौरे के अपने अनुभव साझा किए।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को अपनी मातृभूमि से परे विविध संस्कृतियों और शैक्षिक अवसरों का पता लगाने का अवसर प्रदान करना था।

दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में नुबरा, कारगिल, लेह, लामायुरु, शांग, न्योमा और जांस्कर सहित लद्दाख के विभिन्न हिस्सों से 20 छात्र शामिल थे, जो वर्तमान में राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा नामक एक प्रदर्शन दौरे पर हैं। यह कार्यक्रम छात्रों को उनके मूल क्षेत्रों से परे देश भर में अपने समकक्षों के साथ बातचीत करने के लिए ले जाता है, क्षेत्रीय समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। छात्रों, जिनमें से कई पहली बार लद्दाख से बाहर यात्रा कर रहे थे, ने दिल्ली और अन्य राज्यों में अपने अनुभवों के बारे में उत्साह व्यक्त किया। उनके यात्रा कार्यक्रम में दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू में शैक्षणिक संस्थानों, ऐतिहासिक स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों का दौरा शामिल था। लद्दाख भारत के लिए अत्यधिक रणनीतिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है।सेरु जैसी पहल राष्ट्रीय बंधन को मजबूत करने और युवा दिमागों को उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करने में योगदान देती है। विभिन्न क्षेत्रों और शैक्षणिक संस्थानों के संपर्क से इन छात्रों को एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने और उनकी आकांक्षाओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों के साथ बातचीत के दौरान उन्हें कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें अपने क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए प्रभावित किया। उन्होंने छात्रों से उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का उपयोग करने में सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को अपने समुदायों में इन कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी प्रोत्साहित किया ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। बातचीत के दौरान मुख्य न्यायाधीश के प्रधान सचिव एम.के. शर्मा भी मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने वित्तपोषित विद्युत अवसंरचना के ऊर्जा ऑडिट पर जोर दिया

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) को प्रधानमंत्री विकास कार्यक्रम (पीएमडीपी) के तहत उठाए गए बुनियादी ढांचे का ऊर्जा ऑडिट करने के लिए प्रेरित किया, ताकि जम्मू-कश्मीर में ऊर्जा वितरण में सुधार के लिए इन परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन किया जा सके। मुख्य सचिव ने पीएमडीपी और पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत पूरी की गई परियोजनाओं का संज्ञान लेते हुए कहा कि ये दोनों योजनाएं यूटी के लिए हमारी बिजली वितरण प्रणाली में अपेक्षित सुधार करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जिससे एटीएंडसी घाटे को कम किया जा सके, जो हमारे खजाने पर एक बड़ा बोझ है। डुल्लू ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये परियोजनाएं निर्धारित उद्देश्यों को पूरा कर रही हैं, जमीन पर उनके प्रभाव का अध्ययन करना अनिवार्य है। इसके अलावा, मुख्य सचिव ने कहा कि वास्तविक समय के आधार पर वितरण प्रणाली में ऊर्जा प्रवाह की निगरानी के लिए एक मजबूत आईटी प्रणाली होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि फीडर से लेकर वितरण ट्रांसफार्मर तक और फिर प्रत्येक उपभोक्ता को आपूर्ति की जाने वाली ऊर्जा की मात्रा प्रत्येक चरण में हुए नुकसान के साथ परिलक्षित होनी चाहिए।

उपायुक्त डोडा ने पहली चिनाब वैली गर्ल्स स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

दिव्य भारत संवाददाता

डोडा। जिला प्रशासन डोडा ने द्रोणाचार्य चिनाब स्पोर्ट्स अकादमी और ग्रीन मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल डोडा के सहयोग से आज पहली चिनाब वैली गर्ल्स स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के बैनर तले आयोजित इस प्रमुख कार्यक्रम का उद्देश्य टीम वर्क, नेतृत्व और खेल कौशल को बढ़ावा देते हुए युवा महिला एथलीटों को सशक्त बनाना है।

इस उच्च ऊर्जा प्रतियोगिता में तीरंदाजी, बास्केटबॉल, खो-खो, तलवारबाजी, वॉलीबॉल और क्रिकेट सहित विभिन्न प्रकार के खेल शामिल हैं। यह पूरे क्षेत्र की युवा महिला एथलीटों को एक साथ लाता है, उन्हें अपने कौशल का प्रदर्शन करने और एक उत्साहजनक और समावेशी वातावरण में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, डीसी डोडा हरविंदर सिंह ने खेल, पाठ्येतर गतिविधियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि डोडा प्रशासन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए पुरुष छात्रों के लिए इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करेगा।

लद्दाख के छात्रों और छात्र अनुभव कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के उच्च न्यायालय का दौरा किया।

उपायुक्त राजौरी ने नशा मुक्ति केंद्र अभियान बैठक की अध्यक्षता की

दिव्य भारत संवाददाता

राजौरी। डिप्टी कमिश्नर राजौरी अभिषेक शर्मा ने आज जिले में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी के खिलाफ चल रहे प्रयासों का आकलन करने के लिए डीसी कार्यालय के वीसी रूम में जिला एनसीओआरडी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, डीसी ने एनडीपीएस मामलों में जमानत और बरी होने, वाणिज्यिक मात्रा में दवाओं की जब्ती और ऐसे मामलों से निपटने में मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के पालन सहित प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने नशीली दवाओं के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रवर्तन, उपचार और जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करने वाले बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया।

एक प्रमुख प्रवर्तन कार्रवाई में, थानामंडी में एक फार्मेसी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया, जबकि एक अन्य बिना लाइसेंस वाली दुकान की पहचान की गई। डीसी ने बिना लाइसेंस वाली दुकान पर दवाओं की खरीद और बिक्री की जांच शुरू कर दी है।

निगरानी को और मजबूत करते हुए अब जिले भर की सभी 797 फार्मेसी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं, जबकि 735 दुकानों ने कम्प्यूटरीकृत बिलिंग शुरू कर दी है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और दवा बिक्री की निगरानी होगी। बैठक में नशा मुक्त अभियान के तहत गहन आईईसी अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों का प्रशिक्षण भी शामिल है जो जागरूकता अभियान का नेतृत्व करेंगे।

डीसी ने एडीसी और एसडीएम को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम सुनिश्चित करें ताकि जनता को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा सके।

उपायुक्त ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ शून्य सहिष्णुता के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया और नशा मुक्त राजौरी बनाने के लिए सभी हितधारकों से निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

Page-06_Layout 1 3/18/2025 11:26 PM Page 1

सीरिया और लेबनान 10 लोगों की जान जाने के बाद संघर्ष विराम पर सहमत

दमिश्क, (हि.स.)। सीरिया और लेबनान गोलीबारी में 10 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा के घायल होने के बाद अंततः संघर्ष विराम पर सहमत हो गए। दोनों देश आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी राजी हुए हैं। यह समझौता बेरूत और दमिश्क के बीच तनाव बढ़ने के बाद हुआ है।

सीएनएन की सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के हवाले से दी गई खबर के अनुसार, सीमा पार से हुए हमलों में 10 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद सीरिया और लेबनान के रक्षामंत्रियों ने सोमवार को संघर्ष विराम पर सहमति जताई।

इसके अलावा दोनों देशों के अधिकारियों ने अपने देशों के बीच समन्वय और सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति जताई। यह समझौता लेबनान और सीरिया की नई इस्लामिस्ट नेतृत्व वाली सरकार के बीच तनाव बढ़ने के बाद हुआ है। दोनों देशों की सरकारों के अनुसार, पिछले दो दिनों में सीमा पार से हुए हमलों में तीन सीरियाई और सात लेबनानी मारे गए हैं, जबकि लेबनान की तरफ से 52 लोग घायल हुए हैं।

लेबनान की सेना के अनुसार, सोमवार को सीरिया ने उत्तरी लेबनान के कसर शहर में तीन सीरियाई लोगों की मौत के बाद सीमा पर लेबनान के गांवों पर गोलाबारी की। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने कहा कि सीरियाई गोलाबारी ने कसर को भी निशाना बनाया। रविवार को सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्लाह पर सीरियाई क्षेत्र से तीन सीरियाई सैनिकों का अपहरण करने का आरोप लगाया था। साना के अनुसार उन्हें लेबनानी क्षेत्र में ले जाया गया और मौके पर ही मार दिया गया।

इसके अलावा सीरिया-लेबनान सीमा पर एक फोटोग्राफर और रिपोर्टर हिजबुल्लाह की मिसाइल से घायल हो गए। लेबनान की सेना ने कहा कि सीमा पर दो सीरियाई मारे गए और एक अन्य की अस्पताल में मौत हो गई, और तीनों शव सीरिया को सौंप दिए गए। लेबनान की राज्य समाचार एजेंसी एनएनए ने बताया कि हिजबुल्लाह ने सीमा पर संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि सीरिया के साथ देश की सीमा पर तनाव नहीं होना चाहिए। सीरिया के नेता अहमद अल-शरा ने बार-बार कहा है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ स्थिरता बनाए रखना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि सीरिया की नई सरकार का नेतृत्व पूर्व सुन्नी-इस्लामी उग्रवादी कर रहे हैं। इन लोगों ने पिछले साल के अंत में ईरान सहयोगी बशर अल-असद के शासन का अंतकर राज करना शुरू कर दिया है। शिया हिजबुल्लाह ने सीरिया में हस्तक्षेप किया था ताकि असद को सुन्नी उग्रवादियों से लड़ने में मदद मिल सके।

दिल्ली में भारत और नेपाल के विदेश मंत्रियों की साइडलाइन मुलाकात।

अमेरिका में मोस्ट वांटेड एमएस-13 गिरोह का सरगना रोमन-बार्डेल्स मेक्सिको में पकड़ा गया

मैक्सिको सिटी, (हि.स.)। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को मैक्सिको में गिरफ्तार किया गया है। एमएस-13 गिरोह के कथित सरगना फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को वेटरनो डी ट्राइबस के नाम से भी जाना जाता है। वह संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और अल साल्वाडोर में गिरोह की आपराधिक गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं।

सीएनएन की खबर के अनुसार मैक्सिको के अधिकारियों ने दो दिसंबर, 1977 को जन्मे फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। उसका नाम एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में है। एफबीआई ने उसकी सूचना देने वाले को 250,000 डॉलर का इनाम घोषित किया था। अटॉर्नी जनरल, राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय और नेशनल गार्ड के संयुक्त बयान के अनुसार रोमन-बार्डेल्स को वेराक्रूज में टेओसेलो-बैक्सटला राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों का कहना है कि उसे जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया जाएगा।

एफबीआई के अनुसार रोमान-बार्डेल्स का गिरोह कथित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और अल साल्वाडोर में आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। वह नशीली दवाओं का बड़ा आपूर्तिकर्ता है। वह जबरन वसूली भी करता है। रोमन-बार्डेल्स पर अमेरिका में आतंकवादियों संसाधन प्रदान करने और उन्हें संरक्षण देने का आरोप है। अमेरिका में एमएस-13 गिरोह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है।

संयुक्त अरब अमीरात ने ईद-उल-फितर की छुट्टियों का ऐलान किया

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस साल की ईद-उल-फितर की छुट्टियों का ऐलान किया है। यूएई सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली छुट्टियों की जानकारी देकर बताया है कि अगर रमजान का महीना 30 दिन का हुआ, तब एक दिन की छुट्टी ज्यादा मिलेगी। यूएई में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। इसके बाद ईद की छुट्टी पर भारतीय घर आना प्लान कर सकते हैं।

यूएई सरकार ने करीब दो हफ्ते पहले ईद की लंबी छुट्टी का ऐलान कर उन कर्मचारियों से लिए आसानी कर दी है, जो इस दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर रमजान 29 दिन का होता है, तब ईद की छुट्टी रविवार 30 मार्च से मंगलवार 1 अप्रैल 2025 तक होगी। अगर रमजान 30 दिन का होता है तब 30वें रमजान को भी छुट्टी रहेगी। ईद किस दिन होगी, यह चांद दिखने पर निर्भर करेगा। यूएई में चांद देखने वाली कमेटी इसके लिए 28 मार्च को बैठक करेगी। हालांकि दुबई में ईद अल फितर की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। ये यूएई में काम करने वाले उन भारतीय के लिए खास है, जो ईद अल फितर की छुट्टियों में कहीं घूमने जाने या अपने देश आने का प्लान बना रहे हैं। इस हिसाब से लोग छुट्टियों के हिसाब से अपनी यात्रा का प्लान कर सकते हैं।

ईद मुसलमानों के सबसे प्रमुख त्यौहारों में से एक है। दुनियाभर में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद को बहुत खुशी के साथ मनाते हैं। इस्लामी कैलेंडर के शव्वाल महीने के पहले दिन ईद मनाई जाती है।

ईद के दिन मुस्लिमों के घरों पर कई खास तरह की मिठाइयां बनती हैं। रमजान का महीना खत्म होने के बाद जब अगले महीने यानी शव्वाल का चांद दिखता है। इसलिए इस ईद का चांद भी कहा जाता है।

एक साथ चांद ना दिखने की वजह से दुनिया एक हिस्से में ईद एक दिन पहले और एक हिस्से में एक दिन बाद मनाई जाती है। अरब में आमतौर पर भारत-पाकिस्तान से एक दिन पहले ईद हो जाती है।

भारत से नेपाल को बिजली आपूर्ति में कमी, 8-10 घंटों की हो रही है कटौती

काठमांडू, (हि.स.)। भारत की तरफ से नेपाल को आपूर्ति की जाने वाली बिजली में कमी के कारण देशभर में 8-10 घंटों की बिजली कटौती शुरू हो गई है, जिसका सबसे अधिक असर उद्योग कल कारखानों पर दिखाई दे रहा है। भारत की तरफ से रविवार से ही बिजली की सप्लाई को कम कर दी गई है। इस समय भारत से सिर्फ दिन में ही बिजली की सप्लाई की जा रही है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग ने मंगलवार को कहा कि भारत की तरफ से इस समय सिर्फ सुबह 6 बजे से शाम को 6 बजे तक ही बिजली की आपूर्ति हो रही है, जिसके कारण नेपाल में 8-10 घंटे तक की बिजली कटौती शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत से सिर्फ 654 मेगावाट तक अपनी बिजली आपूर्ति हो रही है। घीसिंग ने कहा कि भारत में गर्मी का महीना शुरू होने के साथ ही पीक आवर में बिजली की सप्लाई बंद कर दी गई है। नेपाल में सर्दी के मौसम में बिजली का उत्पादन बिलकुल ही कम हो जाता है और हर वर्ष नवंबर से लेकर अप्रैल तक बिजली के लिए भारत पर निर्भर रहना पड़ता है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग ने कहा कि भारत के एनर्जी एक्सचेंज बोर्ड से लगातार बातचीत हो रही है और नेपाल में पीक आवर यानि शाम को 6 बजे से सुबह 6 बजे तक कुछ और बिजली के आयात के लिए अनुरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच राजनीतिक संबंधों का असर भी एक कारण है। घीसिंग ने सरकार पर समय पर ही इसके राजनीतिक समाधान के लिए प्रयास नहीं किए जाने के कारण भी बिजली कटौती करने पर मजबूर होने की बात कही।

ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि बिजली के आयात को लेकर वो भारतीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से संपर्क करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार से राजनीतिक स्तर पर बातचीत कर इस मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। नेपाल में 8-10 घंटों तक बिजली कटौती होने से उद्योग कल कारखाने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और उत्पादन क्षमता कम हो गया है।

काठमांडू से चीन भेजे जा रहे 25 करोड़ के अमेरिकी डॉलर और यूरो बरामद।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में नहीं रुक रहे हमले, 24 घंटे में छह आतंकी ढेर, एक पुलिसकर्मी की मौत

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमले नहीं रुक रहे। पिछले 24 घंटों में ऐसे ही एक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और छह आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने बन्नू में मीरामशाह रोड पर हेड कांस्टेबल अरमान खान को निशाना बनाया। पुलिसकर्मी न्यायिक परिसर में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था।

डान अखबार की खबर में यह भी बताया गया है कि लक्की मरवात पुलिस ने रविवार देर रात सेराई गाम्बिला कस्बे में एक पुलिस स्टेशन पर हुए आतंकवादी हमले को विफल कर दिया। आतंकवादियों से करीब 15 मिनट तक चली मुठभेड़ में सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार इलाके में आतंकवादियों के पहाड़ी ठिकानों को नष्ट करने का दावा किया है। आतंकवादियों ने दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर हमला किया था। इसके बाद यह अभियान शुरू किया गया। इस दौरान भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। इसके अलावा पुलिस और सीटीडी कमांडो ने बन्नू में मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में एक पुलिस कर्मचारी अरमान खान की जान चली गई।

पुलिस के अनुसार पेशावर के पास चमकनी इलाके में हुए एक हमले में एएसआई तारिक खान घायल हो गया। खान को अस्पताल ले जाया गया है। वह स्कूल ऑफ इन्वेस्टिगेशन मेरा कचोरी में तैनात थे। सेना ने कहा कि सोमवार को खैबर जिले में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने तीनों को तोर दर्रा इलाके में ढेर कर दिया। इसके अलावा सोमवार को ही खुजदार में सिटी पुलिस स्टेशन के एसएचओ अब्दुल कादिर शेख के घर पर किए गए ग्रेनेड हमले में उनके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। इस हमले में घर का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की आंदोलन समिति में शामिल किए गए कई नेता हुए अलग

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल में आमजन की राजतंत्र की पुनर्बहाली की मांग के बीच पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने सोमवार को एक आंदोलन समिति का गठन किया। समिति की बागडोर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के बहुत पुराने नेता नवराज सुवेदी को सौंपी गई। इसमें कई नेताओं को भी शामिल किया गया। इनमें से कइयों ने एक दिन बाद ही खुद को समिति से अलग कर लिया। इस समिति में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन, राप्रपा नेपाल के अध्यक्ष कमल थापा, विश्व हिंदू महासंघ की अध्यक्ष अस्मिता भंडारी, राप्रपा के वरिष्ठ नेता पशुपति शमशेर राणा, केशर बहादुर विष्ट, धवल शमशेर राणा, पूर्व पत्रकार रमा सिंह तथा राजसंस्था पुनर्स्थापना राष्ट्रीय अभियान के संयोजक दुर्गा प्रसाई को सदस्य बनाया गया है। साथ ही राप्रपा के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र को सदस्य सचिव बनाने की घोषणा की गई।

राप्रपा के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन और राप्रपा नेपाल के अध्यक्ष कमल थापा ने ही खुद को समिति से अलग करने की घोषणा की है। लिंगदेन का कहना है कि न तो उनसे विचार-विमर्श किया गया और न ही उन्हें समिति में रखने पर उनकी सहमति ली गई। कुछ ऐसी ही बात कमल थापा ने की है। मगर थापा ने कहा कि वह इस अभियान का समर्थन करेंगे। केशर बहादुर विष्ट ने भी आज बयान जारी कर समिति में रहने से इनकार कर दिया है। हालांकि उन्होंने भी इस अभियान का समर्थन किया है।।

सदस्य सचिव बनाए गए रवीन्द्र मिश्र ने कहा कि पूर्व राजा को इस राजनीति में सीधे नहीं पड़ना चाहिए था। मिश्र का मानना है कि जब पूरी राप्रपा पार्टी इस आंदोलन का नेतृत्व कर रही थी तो ऐसे में किसी एक व्यक्ति को आंदोलन का नेतृत्व देकर पार्टी के प्रमुखों को उसके नीचे सदस्य बनाने से आंदोलन विवादित हो गया है और इसका प्रभाव आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

काठमांडू से चीन भेजे जा रहे 25 करोड़ के अमेरिकी डॉलर और यूरो बरामद

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने काठमांडू से चीन भेजी जा रही 25 करोड़ की अमेरिकी और यूरो रकम बरामद की है। इस संबंध में पुलिस ने कंटेनर चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने काठमांडू से करूंग की तरफ जा रहे एक कंटेनर की जांच के बाद अमेरिकी डॉलर, यूरो और भारी मात्रा में नेपाली करेंसी बरामद किया गया है। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने इस बारे में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कंटेनर की जांच करने पर इतने बड़े पैमाने पर रकम बरामद हुई है। एसएसपी बस्नेत के मुताबिक कंटेनर में रखी रकम की गिनती के लिए नोट गिनने वाली मशीनें मांगनी पड़ी। ना. 1 ख 1632 नम्बर के नेपाली कंटेनर से 3,20,385 अमेरिकी डॉलर, 13,75,000 यूरो बरामद किए जाने की जानकारी एसएपी बस्नेत ने दी है। नेपाली नोटों की गिनती की जा रही है। उन्होंने बताया कि विदेशी मुद्रा की नेपाली कीमत 25 करोड़ 21 लाख 44 हजार रुपये है।

गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने अब तक गिरफ्तार लोगों की पहचान नहीं बताई है। एसएसपी बस्नेत ने कहा कि पूछताछ जारी है और इतनी बड़ी रकम काठमांडू से चीन की तरफ भेजने के पीछे की कारणों का पता लगाया जा रहा है। यह पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा को चीन भेजे जाने का खुलासा हुआ है।

बाइडेन ने जिन्हें किया माफ, अब ट्रंप उन सभी लोगों की कराएंगे जांच

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में जितने भी लोगों के अपराधों को माफ किया है, वो सभी अमान्य हैं। इनमें उनका बेटा हंटर बाइडेन भी शामिल है। ट्रम्प ने कहा कि ऐसे सभी लोग जिन्हें बाइडेन ने पद छोड़ने से ठीक पहले गलत तरीके से माफ किया था, अब वह सभी जांच का सामना करेंगे।

ट्रम्प ने कहा कि नींद में सोए हुए बाइडेन ने राजनीतिक ठगों और कई अन्य लोगों को माफी दी थी। उन्हें तो पता भी नहीं था कि वो क्या कर रहे हैं क्योंकि ये दस्तखत उन्होंने नहीं किए थे। उनके दस्तखत ऑटोपेन से किए गए थे। ऑटोपेन एक ऐसी मशीन है जो किसी इंसान के साइन की हूबहू नकल कर लेती है। इसे खासतौर पर आधिकारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति दशकों से ऑटोपेन का इस्तेमाल करते आ रहे हैं।

जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले अपने बेटे हंटर बाइडेन की सजा को माफ कर दिया था। बाइडेन पर अवैध तरीके से बंदूक रखने और टैक्स चोरी के मामला था। बाइडेन का कहना था कि उन्हें कानून व्यवस्था पर पूरा यकीन है, लेकिन राजनीति ने इसे गंदा कर दिया है। हंटर के मामले को देखने वाला कोई भी समझदार शख्स यह जानता होगा कि उसे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मेरा बेटा है।

बता दें हंटर को पिछले साल 4 दिसंबर को सजा सुनाई जानी थी। अवैध तरीके से बंदूक खरीदने के मामले में अधिकतम 25 साल तक की जेल हो सकती थी, लेकिन सजा सुनाए जाने से ठीक 2 दिन पहले हंटर के पिता बाइडेन ने अपनी राष्ट्रपति शक्तियों का इस्तेमाल कर बेटे को बचा लिया था।

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर मंगलवार तड़के धरती के लिए रवाना हुए।

Page-07_Layout 1 3/18/2025 10:35 PM Page 1

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग के फाइनल चरण में हरियाणा, ओडिशा, मध्य प्रदेश ने दर्ज की शानदार जीत।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स स्टैंडर्ड को ऊपर उठा रहे हैं, हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं : हरविंदर सिंह

नई दिल्ली, (हि.स.)। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार (20 मार्च) से शुरू हो रहा है और 2024 पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह इसे लेकर काफी अधिक उत्साहित हैं। 34 वर्षीय तीरंदाज का मानना है कि केआईपीजी ने प्रतिस्पर्धा के इंटरनेशनल स्टैण्डर्ड लाए हैं और यह युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक प्रमुख मंच बन गया है। हरविंदर ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के फॉर्मेट और चयन प्रक्रिया की प्रशंसा की और बताया कि यह पूरे भारत में सभी पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को कैसे बढ़ावा देता है। हरविंदर ने साई मीडिया से कहा, राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 16 एथलीटों का चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए किया जाता है। यह सभी एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए प्रेरित करता है। यदि कोई एथलीट पदक जीतने में असमर्थ होता है, तो वह केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पात्र होने के लिए शीर्ष 16 में स्थान पाने की पूरी कोशिश करता है। इस तरह की प्रक्रिया और प्रणाली एथलीटों को अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। यह केआईपीजी 2025 का दूसरा संस्करण है, इसलिए भारत में पैरा खेलों को बढ़ते देखना अच्छा लगता है। हरविंदर रैंकिंग चरण में पहले स्थान पर रहे और फिर दिसंबर 2023 में होने वाले खेलो इंडिया पैरा गेम्स के उद्घाटन संस्करण में स्वर्ण पदक जीता। अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद वह पिछले साल पेरिस में दो बार ओलंपिक पदक विजेता बने, जिसमें व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक भी शामिल है, वही इवेंट जिसमें उन्होंने टोक्यो पैरालिंपिक में कांस्य पदक जीता था। अब हरविंदर आगामी केआईपीजी 2025 में एक बार फिर प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने बताया कि यह टूर्नामेंट भारत में खेल आयोजनों के लिए एक बेंचमार्क क्यों स्थापित कर रहा है। हरविंदर ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि इस स्तर का टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। पिछली बार जब मैंने केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा की थी, तो ऐसा लगा कि हम किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हैं। सेट-अप, शेड्यूल और व्यवस्थाएँ उच्चतम गुणवत्ता की थीं। तब से मुझे पता था कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने में सक्षम है। इस बार मैं इसी तरह के पैमाने की उम्मीद कर रहा हूँ और मैं मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक हूं। हाल ही में नई दिल्ली में विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 का समापन हुआ और देश की राजधानी अगस्त में विश्व पैरा एथलेटिक्स 2025 की भी मेजबानी करेगी। हरविंदर ने कहा कि भारत में पैरा एथलीटों के लिए घरेलू टूर्नामेंटों में उछाल और पैरा खेलों के लिए सरकार के निरंतर संरक्षण ने एक अधिक समावेशी समाज के निर्माण में मदद की है।

उन्होंने कहा, सरकार की शीर्ष योजनाएं पैरा खेलों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। निजी संगठनों में भी पैरा एथलीटों में रुचि बढ़ रही है। वे पैरा एथलीटों का समर्थन कर रहे हैं और समाज अधिक समावेशी बन रहा है। भारत अब पैरा खेलों और हमारे प्रदर्शनों को अपना रहा है और उन्हें मान्यता दे रहा है। केआईपीजी 2025 जैसे टूर्नामेंट में एथलीटों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है जो इस बात का संकेत है कि भारत खेल क्षेत्र में समग्र रूप से विकास कर रहा है। केआईपीजी 2025 में तीन स्थानों - जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित होगा। इस सात दिवसीय टूर्नामेंट में छह खेलों में 1200 से अधिक एथलीट भाग लेंगे।

अंडर-19 एलीट कैम्प के लिए रुद्रांश का चयन

प्रयागराज, (हि.स.)। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के तत्वावधान में 2 से 28 अप्रैल तक आयोजित होने वाले एलीट कैम्प के लिए प्रयागराज के रुद्रांश सिंह का चयन मध्य प्रदेश की ओर से किया गया है। अंडर-19 आयु वर्ग में आयोजित यह कैम्प देश के चार शहरों सूरत व नाडियाड (गुजरात), गुवाहाटी एवं पांडिचेरी में लगेगा। रुद्रांश का चयन नाडियाड के लिए किया गया है। रुद्रांश के कोच विवेक सिंह ने बताया कि यह अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने किया है। इसमें विभिन्न फिटनेस परीक्षणों से गुजरना होगा।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की ली बढ़त

डुनेडिन, (हि.स.)। टिम सीफर्ट और फिन एलेन की धमाकेदार पारियों और कीवी तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेन सियर्स (2/23) और जैकब डफी (2/20) ने पाकिस्तानी ओपनर्स मोहम्मद हारिस (11) और हसन नवाज (0) को जल्दी पवेलियन भेज दिया, जिससे पाकिस्तान का स्कोर 3.1 ओवर में 19/2 हो गया।

इसके बाद कप्तान सलमान अली आगा और इरफान खान ने स्कोर को छह ओवरों में 36/2 तक पहुंचाया लेकिन जल्द ही इरफान (11) और खुशदिल शाह (2) को ईश सोढ़ी ने अपना शिकार बनाया और पाकिस्तान का स्कोर 7 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। सलमान अली आगा ने 28 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन की अहम पारी खेली लेकिन सियर्स ने उन्हें पवेलियन भेजकर पाकिस्तान का स्कोर 9.2 ओवर में 5 विकेट पर 76 रन कर दिया।

नीचे के क्रम में शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में नाबाद 22 रन, दो चौके और एक छक्का) ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे पाकिस्तान ने 15 ओवर के वर्षा प्रभावित मैच में 9 विकेट पर 135 रन का स्कोर खड़ा किया। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने आक्रामक शुरूआत की।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025: सचिवालय बुल्स, डेंजर और हरिकेन की शानदार जीत

देहरादून, (हि.स.)। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आज का दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। कुल चार मैच खेले गए, जिनमें सचिवालय बुल्स, डेंजर और सचिवालय हरिकेन ने शानदार जीत दर्ज की, जबकि सचिवालय ए को वॉकओवर से विजेता घोषित किया गया। इन मुकाबलों में बल्लेबाजों और गेंदबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर पहुंच गया।

पहले मुकाबले में सचिवालय क्लासिक और सचिवालय बुल्स आमने-सामने थे। सचिवालय क्लासिक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए, जिसमें अमित नेगी ने 43 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जवाब में बुल्स की टीम ने अमीन के 34 और विकी के 17 रनों की मदद से 9 विकेट खोकर रोमांचक जीत दर्ज की। रमेश जोशी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विकी को दिया गया।

दूसरा मुकाबला डेंजर और वॉरियर के बीच खेला गया। डेंजर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 143 रन पर ऑलआउट हो गई, जिसमें अमित तोमर ने 23 रन बनाए। वॉरियर के गेंदबाज शुभम मौर्य ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉरियर की टीम 101 रन पर सिमट गई, जिसमें मोहम्मद फाजिल ने 3 विकेट चटकाए। डेंजर ने यह मुकाबला 42 रनों से जीत लिया, और मैन ऑफ द मैच मोहम्मद फाजिल को चुना गया।

पहले मैच में सचिवालय हरिकेन और लायंस के बीच जबरदस्त भिड़ंत हुई। सचिवालय हरिकेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 217 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। कपिल ने 59, आशीष रावत ने 50 और सुनील मेंदोला ने 46 रनों की शानदार पारियां खेलीं। जवाब में लायंस की टीम ने संघर्ष करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए, जिसमें मदन ने 118 रनों की लाजवाब पारी खेली। हरिकेन की ओर से सुनील मेंदोला ने 2 विकेट लिए। इस तरह हरिकेन ने मुकाबला 46 रनों से जीता और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सुनील मेंदोला को मिला।

दिन का अंतिम मुकाबला सचिवालय ए और सेतु स्टार के बीच खेला जाना था, लेकिन सेतु स्टार की टीम मैदान पर नहीं पहुंच सकी, जिससे सचिवालय ए को वॉकओवर देकर विजेता घोषित किया गया।

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025: सचिवालय बुल्स, डेंजर और हरिकेन की शानदार जीत।

दिल्ली

डीएमआरसी ने इग्नू स्टेशन पर सुरंग बनाने में सफलता हासिल की

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मंगलवार को एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर (गोल्डन लाइन) के इग्नू स्टेशन साइट (छतरपुर मंदिर से) पर टनल बोरिंग मशीन की सफलता के साथ चौथे फेज के सबसे गहरे भूमिगत हिस्से पर सुरंग बनाने का काम पूरा किया। यह उपलब्धि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में हासिल की गई। इस अवसर पर दिल्ली के उद्योग, खाद्य एवं आपूर्ति तथा पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन मंत्री, मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। यह नई सुरंग औसतन 27.0 मीटर (न्यूनतम गहराई 15.0 मीटर और अधिकतम 39 मीटर) की गहराई पर बनाई गई है, जो दिल्ली मेट्रो की सबसे गहरी सुरंगों में से एक है।

उल्लेखनीय है कि छतरपुर मंदिर और इग्नू के बीच एक और समानांतर सुरंग का काम 25 फरवरी को पूरा हो गया था। इसलिए अब इस चुनौतीपूर्ण खंड पर अप और डाउन दोनों लाइनों पर सुरंग बनाने का काम पूरा हो गया है। मैजेंटा लाइन पर तीसरे फेज में हौज खास में लगभग 30 मीटर की गहराई पर सुरंग बनाई गई थी। जबकि एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के लिए एक और सुरंग राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के नीचे लगभग 45 मीटर की गहराई पर गुजरती है।

डीएमआरसी द्वारा मिली जानकारी के अननुसार इस सुरंग में लगभग 1048 रिंग लगाए गए हैं। जिनका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड) की सिद्ध तकनीक का उपयोग करके किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। इन टनल रिंग को मुंडका में स्थापित पूरी तरह से मशीनीकृत कास्टिंग यार्ड में कास्ट किया गया था। डीएमआरसी के अनुसर कंक्रीट सेगमेंट की शीघ्र मजबूती के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम से इनकी क्योरिंग की गई। इस सुरंग निर्माण अभियान में खड़ी ढलान के साथ-साथ अभ्रक और कठोर चट्टानों सहित विभिन्न भू-विज्ञान की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जिसके कारण स्क्रू ऑगर क्षतिग्रस्त हो गया और अभियान के दौरान उसे बदला गया। डीएमआरसी ने आगे बताया कि मौजूदा वायडक्ट और निर्मित इमारतों के नीचे सुरंग के निर्माण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गईं। आस-पास की इमारतों पर लगे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से जमीनी गतिविधियों पर नजर रखी गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं कोई धंसाव न हो। आज सुबह इग्नू स्टेशन पर 1460.00 मीटर लंबी सुरंग खोदने के बाद टीबीएम बाहर निकली। 97 मीटर लंबी एक विशाल टीबीएम का उपयोग करके यह सफलता हासिल हुई।

वहीं डीएमआरसी ने पिछले चार हफ्तों में तीन टीबीएम ब्रेकथ्रू सफलताएं हासिल की हैं। अब तक स्वीकृत फेज-चौथे के कार्य के तहत, 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है। एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर में कुल 19.343 किलोमीटर खंड भूमिगत है। विभिन्न मिट्टी वाली और चट्टानी परतों के बीच गोलाकार क्रॉस-सेक्शन वाली सुरंगों की खुदाई के लिए टीबीएम मशीन का उपयोग किया जाता है।

डीएमआरसी ने अंत में बताया कि टीबीएम ने दुनिया भर में सुरंग बनाने के काम में क्रांति ला दी है, जिससे इमारतों और अन्य सतही संरचनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सुरंग खोदी जा सकती है। भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग बनाने के काम के लिए टीबीएम विशेष रूप से उपयोगी हैं। डीएमआरसी में फेज-एक से ही सुरंग निर्माण कार्य के लिए टीबीएम का उपयोग किया जा रहा है। फेज-तीसरे में लगभग 50 किलोमीटर भूमिगत सेक्शनों के निर्माण के समय राजधानी क्षेत्र में लगभग 30 टीबीएम का उपयोग किया गया।

राजधानी में कल से चल सकती है तेज हवाएं, आंधी का रूप लेने की संभावना

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली के तापमान में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 0.6 कम 30.7 डिग्री व न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.9 कम 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी सतही हवा की रफ्तार दोपहर बाद 16-20 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज की गई और कई स्थानों पर इनकी रफ्तार 30 किलोमीटर प्रतिघंटा भी रही।

मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार को भी सतही हवा की रफ्तार तेज रहेगी और ये आंधी का रूप भी ले सकती हैं।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के निगरानी केंद्र सफदरजंग में मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.9 कम 14.6 डिग्री दर्ज किया गया है। जबकि पालम में 0.6 कम 15.8, लोधी रोड़ 1.2 कम 13.8, रिज क्षेत्र 4.4 कम 13.3 व आयानगर में 1.7 कम 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पालम व आयानगर में अधिकतम तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। पालम में जहां अधिकतम तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा, वहीं आयानगर में 1.4 डिग्री कम रहा। हालांकि मंगलवार को मौसम साफ रहा। मौसम विभाग ने बुधवार 19 मार्च व गुरुवार 20 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जाहिर की है। साथ ही कहा कि इस दौरान चलने वाली सतही हवा की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती हैं।

वहीं बुधवार को अधिकतम तापमान 31-33 व न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री रहने की संभावना है। जबकि 20 मार्च को अधिकतम तापमान बढ़कर एक बार फिर 33 डिग्री के पार जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा सकता है।

दिल्ली। रॉयल न्यूजीलैंड और नौसेना के प्रमुख रियर एडमिरल गारिन गोल्डिंग का साउथ ब्लॉक लॉन में गार्ड ऑफ ऑनर।

खंडेलवाल ने 2,500 करोड़ की सड़क परियोजना को मंजूरी देने के लिए गडकरी का जताया आभार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने राजधानी नई दिल्ली की बुनियादी ढांचे के लिए 2,500 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। इससे चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र को फायदा होगा।

सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि दिल्ली के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मेरे अनुरोध को स्वीकृति दी है, जिसके तहत आजाद मार्केट से वएफ-2 तक नई सड़कों का निर्माण और आधुनिकीकरण का कार्य किया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि यह परियोजना चांदनी चौक और आसपास के क्षेत्रों में परिवहन नेटवर्क को सुधारने में सहायक होगी, जिससे यातायात जाम कम होगा और व्यापार तथा यात्रा सुगम होगी।

सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 20 किमी लंबे इस सड़क लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसकी अनुमानित लागत 2,500 करोड़ रुपये है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को आगामी 6-7 महीनों में अंतिम रूप दिए जाने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आजाद मार्केट, शास्त्री नगर, आउटर रिंग रोड और रोहिणी को दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के माध्यम से कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी एक्सप्रेसवे) से जोड़ने वाली यह परियोजना व्यापारियों, दैनिक यात्रियों और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। खंडेलवाल ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, यह सड़क परियोजना चांदनी चौक निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे व्यापारी, निवासी और व्यवसायों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं नितिन गडकरी का उनके अटूट समर्थन और दिल्ली के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

सांसद ने कहा कि यह पहल भाजपा सरकार की एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर कनेक्टिविटी वाली दिल्ली की परिकल्पना के अनुरूप है, जो इसे व्यापार और वाणिज्य के एक प्रमुख केंद्र के रूप में और सशक्त बनाएगी।

युवक की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में सोमवार देर रात एक युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अंशु बरुआ (18) के रूप में हुई है। हमलावरों ने उसके पेट, कमर और गर्दन पर चाकू से वार किए।बाद में आरोपित मौके से भाग निकले।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अंशु को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस आरोपितों की पहचान करने के प्रयास कर रही है।

Page-08_Layout 1 3/19/2025 3:19 AM Page 1

प्रदेश स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में चैंपियन बने प्रतापगढ़ के बच्चे, बीएसए ने किया सम्मानित

अजीत प्रताप सिंह

लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में 11 और 12 मार्च को आयोजित 35वीं राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ के बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए मॉडल उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह, विकासखंड मांधाता के बच्चों ने कई मुकाबलों में जीत दर्ज कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में बैडमिंटन बालक एकल वर्ग में मनीष ने, बालिका एकल वर्ग में समरीन ने तथा बालक युगल वर्ग में सूरज और मनीष की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। वहीं, बालिका युगल वर्ग में समरीन और साजिया की जोड़ी ने वाराणसी मंडल को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बच्चों की इस उपलब्धि पर पूरे जिले में हर्ष का माहौल रहा।

प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) भूपेंद्र सिंह ने विजयी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों को मिष्ठान खिलाकर आशीर्वाद भी दिया। इस दौरान बालिका वर्ग बैडमिंटन टीम की सदस्य समरीन, साजिया, अलशिफा, शुभी अग्रहरि और नंदिनी पाल को सम्मानित किया गया। वहीं, बालक वर्ग में मनीष कुमार पटेल, सूरज, मोहम्मद नदीम और मोहम्मद फरदीन को भी विशेष रूप से सम्मान मिला।

बीएसए भूपेंद्र सिंह ने राज्य अध्यापक पुरस्कृत शिक्षक मोहम्मद फरहीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी, जिन्होंने बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। मोहम्मद फरहीम ने बीएसए को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी इन बच्चों ने प्रदेश स्तर पर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता था। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता राज, जिला व्यायाम शिक्षक रामकुमार सिंह, जिला व्यायाम शिक्षिका मंजू सिंह, जिला स्काउट मास्टर सुशील कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी मान्धाता प्रभाकर यादव, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह और ब्लॉक व्यायाम शिक्षक कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने भी बच्चों को बधाई दी।

ग्रेटर नोएडा और अमेरिका के लोउडन काउंटी को सिस्टर सिटी बनाने पर फिर हुई बात।

1498 गंभीर मरीजों को जिले में ही मिली जिंदगी

दिव्य भारत संवाददाता

- **योगी सरकार द्वारा जिला अस्पतालों की आईसीयू यूनिट के लिए विशेषज्ञ तैयार करने के दिखने लगे फायदे**
- **लखनऊ के सिविल अस्पताल व लोकबंधु अस्पताल समेत बाराबंकी, गोरखपुर, बांदा, झांसी, प्रयागराज, आगरा, मेरठ व कन्नौज के जिला अस्पतालों की आईसीयू यूनिट पूर्ण रूप से सक्रिय हुई**
- **19 और जिलों के डाक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण जारी**

लखनऊ। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों की गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) को सुदृढ़ की योगी सरकार की मंशा अब आकार लेने लगी है। जिन सात जिला अस्पतालों में आईसीयू विशेषज्ञ तैयार किए गए, उन्होंने 1498 गंभीर मरीजों को भर्ती कर स्वस्थ किया है। कुल 10 जिला अस्पतालों के आईसीयू पूर्ण रूप से सक्रिय हैं। 19 और जिला अस्पतालों के आईसीयू एक्सपर्ट प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप फरवरी 2024 में सभी आईसीयू यूनिट को सुदृढ़ करने की योजना बनी। केयर-अप (क्रिटिकल केयर एडवांसमेंट एंड रेडीनेस एन्हांसमेंट फॉर अपकमिंग आईसीयू प्रोफेशनल्स) कार्यक्रम के अंतर्गत चुनिंदा डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ को आईसीयू व वेंटिलेटर आपरेट करने का प्रशिक्षण देने का फैसला किया गया। सरकार ने इसकी जिम्मेदारी महारानी लक्ष्मी बाई (एमएलबी) मेडिकल कालेज, झांसी के एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंशुल जैन को दी। डॉ अंशुल एमएलबी पैरामेडिकल कालेज के निदेशक भी हैं।

अभी तक दो बैच झांसी और एक बैच केजीएमयू में प्रशिक्षित हो चुका है। ट्रेनिंग पाने वालों में चिकित्सक के अलावा नर्स, लैब टेक्नीशियन एवं फार्मासिस्ट शामिल हैं। लखनऊ के सिविल अस्पताल व लोकबंधु अस्पताल समेत बाराबंकी, गोरखपुर, बांदा, झांसी और प्रयागराज के जिला अस्पताल में आईसीयू यूनिट पूर्ण रूप से सक्रिय हैं। इसके अलावा आगरा जिला अस्पताल, मेरठ जिला महिला अस्पताल व कन्नौज जिला अस्पताल के डाक्टरों को भी प्रशिक्षण प्राप्त हो चुका है। महानिदेशक प्रशिक्षण ने उन्हें जल्द से जल्द आईसीयू यूनिट संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

डॉ. अंशुल ने बताया कि कानपुर नगर, रायबरेली, उन्नाव, गाजियाबाद, अलीगढ़, मुरादाबाद, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, मऊ, बलिया, मथुरा, फिरोजाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, चित्रकूट, इटावा, शामली व मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल के डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ का प्रशिक्षण चल रहा है। यह प्रशिक्षण पूरा हो जाने के बाद 29 जिलों के सरकारी अस्पताल के आईसीयू पूर्ण रूप से सक्रिय होंगे और इससे गंभीर मरीजों को लखनऊ रेफर करने की प्रेक्टिस से काफी राहत मिलेगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में आईसीयू में वेंटिलेटर व आक्सीजन की सुविधा है लेकिन प्रशिक्षित स्टाफ की कमी के कारण गंभीर मरीजों को रेफर करना पड़ता था। योगी सरकार ने इस बाधा को समझा और गंभीर कदम उठाते हुए सभी जिला अस्पतालों के कुछ डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया। नतीजे सामने हैं। एक बार सभी जिला अस्पताल का स्टाफ प्रशिक्षित हो जाएगा तो जिला अस्पतालों की तस्वीर बदल जाएगी।

उच्च सदन में पीठासीन होकर प्रमोद ने फिर रचा गौरवशाली इतिहास

दिव्य भारत संवाददाता

- **उप नेता बनने के बाद सभापति के आसन पर विराजमान होने वाले प्रमोद प्रतापगढ़ के पहले राजनेता**
- **कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ प्रतापगढ़ के लोगों में खुशी की लहर बताया गौरवशाली उपलब्धि**

लालगंज, प्रतापगढ़। देश के अनुभवी, प्रखर और वरिष्ठ राजनेता राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने अपने संसदीय ज्ञान की दक्षता से प्रतापगढ़ के नाम एक और इतिहास रचा है। इस बार वह राज्यसभा में सभापति के आसन पर पैनल ऑफ वाइस चेयरमैन में शामिल होते हुए राज्यसभा सांसदों का मार्गदर्शन करते नजर आए। प्रमोद को राज्यसभा में सभापति के पैनल के सदस्य के रूप में उप सभाध्यक्ष चुने जाने के बाद यह जिम्मेदारी मिली तो प्रतापगढ़ एक बार फिर अपने गौरव पर इतराने लगा। इस सीट पर पीठासीन होने वाले प्रमोद तिवारी प्रतापगढ़ के पहले राज्यसभा सदस्य भी बन गए हैं। सदन की कार्यवाही के समय सभापति की गैर मौजूदगी में प्रमोद तिवारी इस सीट पर अक्सर नजर आएंगे। देश के संसदीय इतिहास में संसद के सर्वोच्च सदन राज्यसभा में आसन पर प्रतिष्ठित होने के लिए प्रतापगढ़ को यह पहला मौका मिला है। इससे जिले के लोगों में खुशी की लहर है। वहीं पार्टी के कार्यकर्ता व प्रमोद तिवारी के समर्थक मगन देखे गये। कांग्रेस में राजनीति की शुरूआत करने वाले और वर्तमान समय में भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शुमार प्रमोद का मर्यादित राजनीतिक आचरण राजनेताओं के लिए प्रेरणादायक होता है। वह इसके पहले राज्यसभा सदस्य तो बने ही वहीं अपने संसदीय अनुभव के चलते प्रमोद तिवारी राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता भी बनाए गए। विपक्ष के उप नेता चयनित होने का यह इतिहास भी प्रतापगढ़ के किसी राजनेता ने पहली बार रचा था। यही नहीं, एक ही पार्टी और एक ही क्षेत्र प्रतापगढ़ के चर्चित रामपुर खास से लगातार नौ बार विधायक बनने का गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड भी तिवारी के नाम ही है। अब प्रमोद तिवारी के विकास से सजे-सजाए रामपुर खास को और विकसित क्षेत्र के रूप में सुंदर बनाने में उनकी बेटी प्रखर महिला राजनेता आराधना मिश्रा मोना बतौर विधायक अपनी सुदृढ़ भूमिका का जनापेक्षी निर्वाहन कर रही हैं।

बौद्ध भिक्षु की टिप्पणी से ब्राह्मण समाज में उबाल

कन्नौज, (हि.स.)। बौद्ध भिक्षु चैतसिक की ओर से ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणी से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह टिप्पणी एक कार्यक्रम के दौरान की गई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष और उनके पति भी मौजूद थे। रविवार को सोशल मीडिया पर भिक्षु की टिप्पणी वायरल होने के बाद ब्राह्मण समाज में आक्रोश फैल गया। छिबरामऊ के बजरिया मोहल्ले के समाजसेवी कृष्णऔतार गुप्ता ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने भिक्षु पर जातीय उन्माद फैलाने और समाज में विभाजन का प्रयास करने का आरोप लगाया है। यह पहला मामला नहीं है जब ब्राह्मण समाज को निशाना बनाया गया है। इससे पहले जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य के पति ओमकार शाक्य भी सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज, मंदिर और पुजारियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर जिला पंचायत अध्यक्ष और उनके पति कन्नौज में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य के करीबी द्वारा ब्राह्मण समाज को दी गई धमकी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। चार दिन पहले भी भन्ते चैतसिक बौद्ध ने मीडिया के सामने ब्राह्मणों को तलवार से काटने की धमकी दी थी। इस घटना के विरोध में मंगलवार को ब्राह्मण समाज और नव हिन्दू सभा के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। छिबरामऊ निवासी अनुपम बाजपेयी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य, उनके पति ओमकार शाक्य और चैतसिक बौद्ध के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ता अनुपम बाजपेयी ने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष को मिले सरकारी गनर का दुरुपयोग उनके पति ओमकार शाक्य कर रहे हैं। वे गनर के साथ घूमकर लोगों पर धौंस जमाते हैं। बाजपेयी ने मांग की कि प्रिया शाक्य की सुरक्षा वापस ली जाए। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नहीं बदला तो एसपी कार्यालय में लगा यातायात विभाग का बोर्ड

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/ दिव्य भारत

- **एसपी कार्यालय में लगे बोर्ड पर नहीं गई किसी अधिकारी की नजर**

प्रतापगढ़। जिले में यातायात विभाग सिर्फ हर चौराहों पर लोगों के चालान काटने में जुटी रहती है और शहर के अंदर जाम का झाम करना लोगों को झेलना पड़ता है। लोगों द्वारा उन पर यह भी आरोप लगाया जाता है कि की चलान के नाम पर लोगों से धनवसूली किया जाता है। वहीं यातायात विभाग का एक और हैरतअंगेज मामला सामने आया है कि एसपी कार्यालय में यातायात विभाग के द्वारा यातायात माह नवंबर का एक बोर्ड लगाया गया है। जो कि काफी पहले का है जिसमें एसपी सतपाल अंतिल और अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी विद्यासागर मिश्रा,रोहित मिश्रा अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी जैसे बड़े अधिकारियों का नाम अंकित है। ये सभी अधिकारी इस समय दूसरे जनपद में तैनात हैं। काफी समय बीत गया लेकिन यातायात विभाग की नजर में आज भी ये सभी अधिकारी तैनात हैं। तभी तो उनके नाम का बोर्ड आज भी एसपी कार्यालय में लगा हुआ है। इस बोर्ड को बदलने के लिए यातायात विभाग के किसी भी कर्मचारी ने जहमत नहीं उठाई। मजेदार बात यह है कि एसपी कार्यालय में हर दिन एसपी से लेकर हर अधिकारी एसपी ऑफिस आते हैं। एसपी साहब जहां बैठते हैं उस ऑफिस

के ठीक बगल में ही यह बोर्ड लगा हुआ है। लेकिन किसी भी अधिकारी की नजर इस बोर्ड पर नहीं गई। पुलिस कार्यालय में लगा यह बोर्ड लोगों के लिए मजाक का विषय बन गया है,हर कोई इस बोर्ड को देखकर मजाक उड़ाने में पीछे नहीं हटता। क्या यह बोर्ड ऐसे ही लगा रहेगा और इसे देखकर लोग मजाक उड़ते रहेंगे,क्यों सोया हुआ है यातायात विभाग अब देखना यह है कि यातायात विभाग कब कुंभकर्णी नींद से जागेगा और यह बोर्ड कर बदला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला की पिटाई मामला, आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर

दिव्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना एरिया के कुटिलिया सांडदेई गांव में चार साल बाद घर पर लौटी महजबीन बानो को उसके ही भाइयों ने सरेआम दबंगई दिखाते हुए जमकर लाठी से पिटाई कर दी थी। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था और इस मामले में तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने दबंग भाई समेत परिवार के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया था। उधर घायल महिला का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। महिला की पिटाई की जानकारी होने पर भाजयुमो द्वारा उसके इलाज का खर्च उठाने का बात सामने आ रही है। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील भी की जा रही है कि वह पीड़ित महिला के इलाज के लिए मदद करें। लोग भी पीड़ित महिला के इलाज के लिए दिल खोलकर मदद भी कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 32 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को एक के बाद एक आईपीएस अफसरों के तबादले की सूची शासन की ओर से जारी की जा रही है। वहीं, एक फिर कई सीनियर आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। कुल मिलाकर 32 आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक सीबीसीआईडी एलवी एंटनी देव कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रन्थ, प्रतीक्षारत पुलिस उपमहानिरीक्षक अतुल शर्मा को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी कानपुर की जिम्मेदारी मिली है। शैलेंद्र कुमार राय को पुलिस अधीक्षक, कानून एवं व्यवस्था, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, लोक शिकायत, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक लखनऊ बनाया गया है। प्रतीक्षारत रहे पुलिस महानिरीक्षक डॉ. प्रीतिन्दर सिंह को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन, लखनऊ बनाया गया है। अपर्णा कुमार को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन लखनऊ से हटाकर मानवाधिकार की जिम्मेदारी दी गई है।

जिलाधिकारी ने जेई को लगाई फटकार

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने नगर पालिका परिषद बेल्हा के अन्तर्गत गायघाट रोड पर निमार्णाधीन नाले का निरीक्षण कर गुणवत्ता को परखा और नाले के ऊपर लोगों द्वारा अतिक्रमण किये जाने पर जिलाधिकारी ने जेई को कड़ी फटकार लगायी और वहां पर रह रहे लोगो को निर्देशित किया कि नाले के ऊपर अतिक्रमण न किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। उन्होने गायघाट रोड पर पैदल भ्रमण कर जलभराव एवं जल निकासी का अवलोकन किया और निर्देशित किया कि जो भी कमियां है उसे दुरूस्त कराया जाये। नगर पालिका परिषद बेल्हा क्षेत्रान्तर्गत रूपापुर, देवकली, स्टेशन रोड, लोकमान्य तिलक इण्टर कालेज के पास नाले/नालियों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगो से जानकारी ली कि वर्षा के दौरान पानी भरता है या नही तो वहां पर मौजूद लोगों के द्वारा बताया गया कि वर्षा के दौरान पानी भर जाता है। जिससे काफी समस्या का सामना करना पड़ता है, जिस पर जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने नगर पालिका परिषद बेल्हा के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था करायी जाये, नालों/नालियों में जो भी गन्दगी एवं पानी भरा हुआ पम्पसेट लगाकर जल निकासी करायी जाये।

योगीराज में विकास का पर्याय बना उत्तर प्रदेश

दिव्य भारत संवाददाता

- **सीएम योगी के मार्गदर्शन में यीडा के माध्यम से विकास के नए आयाम गढ़ रहा पश्चिमी उत्तरप्रदेश**
- **यीडा क्षेत्र के जेवर में बन रहा देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, फिल्म सिटी का सपना भी हो रहा साकार**
- **टॉय पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, हेरिटेज सिटी, लॉजिस्टिक पार्क, फिन टेक पार्क के माध्यम से विकास के साथ ही रोजगार की भी खुली राह**
- **विगत 8 वर्षों में गतिमान विभिन्न परियोजनाओं से लाखों लोगों को मिल रहा रोजगार,ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आई समृद्धि**

ग्रेटर नोएडा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के माध्यम से विगत 8 वर्षों से निरंतर औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई मिसाल बन रहा है। जेवर में देश का सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी और विभिन्न औद्योगिक पार्कों के विकास से राज्य न केवल निवेश आकर्षित कर रहा है, बल्कि रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी अग्रणी बन रहा है। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट (यूपीजीआईएस-2023) और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-04) जैसे आयोजनों ने इस प्रगति को और मजबूती दी है। यूपीजीआईएस-2023 में यीडा ने 165 एमओयू के जरिए 1,88,970.18 करोड़ रुपए का निवेश हासिल किया, जो तय लक्ष्य से 236.21% अधिक है। इससे 4,53,339 रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। वहीं, जीबीसी-04 में 45,148.41 करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतारा गया, जो लक्ष्य से 103.19% अधिक है और 1,32,663 लोगों को रोजगार देने में मददगार बन रहा है। विगत 8 वर्षों में यीडा ने एमएसएमई पार्क, टॉय सिटी, हैंडीक्राफ्ट पार्क, अपैरल पार्क, डाटा सेंटर पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे क्लस्टर आधारित उद्योगों का विकास किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में 152 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन के साथ 27,521.99 करोड़ रुपए का निवेश और 16,405 रोजगार का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सेक्टर-28 में 439.40 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में 74 भूखंडों का आवंटन हो चुका है। इससे 3,800 करोड़ रुपए का निवेश और 15,000 रोजगार सृजित होंगे। इन परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिल रही हैं। जेवर में 1,334 हेक्टेयर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पीपीपी मॉडल पर आधारित है। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी द्वारा प्रथम चरण में 5,730 करोड़ रुपए के निवेश से 12 मिलियन यात्रियों की क्षमता वाला यह एयरपोर्ट 2025 में शुरू होने जा रहा है। 72.26 किमी लंबे रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम (आरआरटीएस) से जेवर एयरपोर्ट को गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से जोड़ा जाएगा। 20,637 करोड़ रुपए की इस परियोजना का डीपीआर भारत सरकार को भेजा गया है। इसी तरह, सेक्टर-21 में 1,000 एकड़ में बन रही अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के पहले चरण में बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी 230 एकड़ में निर्माण कर रही है। यह परियोजना रोजगार और वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी। एयरपोर्ट और फिल्म सिटी से पर्यटन, विनिर्माण और निर्यात में वृद्धि होगी, जिससे क्षेत्र का संरचनात्मक विकास होगा। ब्रज विकास परिषद के सुझाव पर श्री बांकेबिहारी मंदिर के पास हेरिटेज सिटी का निर्माण हो रहा है। इसमें ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी, रिवर फ्रंट और योग केंद्र शामिल हैं। इसी तरह, टप्पल-बाजना में लॉजिस्टिक पार्क का विकास जेवर एयरपोर्ट की मांग को देखते हुए शुरू हुआ है। डीपीआर को मंजूरी मिल चुकी है और भूमि अधिग्रहण जारी है। यही नहीं, सेक्टर-11 में 200 एकड़ में फिनटेक पार्क और अन्य क्षेत्रों में टॉय पार्क का विकास हो रहा है। इनसे निवेश और रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। सेक्टर-10 में 1,000 एकड़ में सेमीकंडक्टर और ईएमसी पार्क की योजना है, जिसके लिए 200 एकड़ का आवेदन भारत सरकार को भेजा गया है।